सुविचार

पैरों से कांटा निकलने के बाद चलने में जो मजा आता है, वही मजा मन से अहंकार निकलने के बाद जीवन जीने में आता है।

प्रथम न्यूज

PRATHAM NEWS राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

Website: www.prathamnews.in email:- dainikprathamnews@gmail.com

Pratham News @dainikprathamnews

शेफाली वर्मा की आंधी में उड़ी बांग्लादेश, भारत की धमाकेदार जीत; सेमीफाइनल की उम्मीदें कायम...
» पृष्ठ 7 पर

जालंधर, वर्ष:16 अंक : 175 | दिनांक : शुक्रवार, 26 जून 2026 | पन्ने- 10 | मूल्य: ₹ 2.00/- | RNI No I PUNHIN/2010/36540

संक्षिप्त न्यूज

वरिष्ठ IPS अधिकारी महेश दीक्षित बने खुफिया ब्यूरो के विशेष निदेशक

आंतरिक सुरक्षा के मामलों का लंबा अनुभव

नई दिल्ली (ब्यूरो)– भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारी महेश दीक्षित को खुफिया ब्यूरो (आईबी) का विशेष निदेशक नियुक्त किया गया है। सरकारी आदेश के मुताबिक, महेश दीक्षित का कार्यकाल पदभार ग्रहण करने की तारीख से दो साल या अगले आदेश तक रहेगा।

महेश दीक्षित भारतीय पुलिस सेवा के आंध्र प्रदेश कैडर के1993 बैच के अधिकारी हैं। उनकी नियुक्ति को मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने मंजूरी दी है। उनको खुफिया अभियानों और आंतरिक सुरक्षा के मामलों का लंबा और व्यापक अनुभव है। उन्होंने श्रीनगर स्थित खुफिया ब्यूरो (आईबी) के क्षेत्र कार्यालय का नेतृत्व करते हुए कई अहम वर्ष बिताए। इस इकाई का कार्यक्षेत्र जम्मू, कश्मीर और लेह तक फैला हुआ है।

5 राज्यों में 655 एकड़ में बनेंगी 6 एयरपोर्ट सिटी

अदाणी ग्रुप का बड़ा ऐलान, सबसे ज्यादा निवेश मुंबई-नवी मुंबई में होगा

नई दिल्ली (ब्यूरो)– अदाणी एयरपोर्ट सिटी लिमिटेड (AACL) ने पांच राज्यों के छह हवाई अड्डों पर 655 एकड़ से अधिक क्षेत्र में 'एयरपोर्ट सिटी विकसित करने के लिए पहले चरण में 20,000 करोड़ रुपये से ज्यादा निवेश करने की योजना की घोषणा की है। AACL का मालिकाना हक अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (AAHL) के पास है, जो देश की सबसे बड़ी प्राइवेट एयरपोर्ट ऑपरेटर है। AACL ने गुरुवार को कहा कि इस परियोजना के तहत मुंबई, नवी मुंबई, अहमदाबाद, लखनऊ, जयपुर और गुवाहाटी हवाई अड्डों के आसपास लगभग 2.2 करोड़ वर्ग फुट मिश्रित उपयोग वाली बुनियादी ढांचा विकसित किया जाएगा। कंपनी के अनुसार, कुल निवेश का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा मुंबई और नवी मुंबई में किया जाएगा, जहां उसके पास करीब 440 एकड़ भूमि है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में एक्शन

टिन्नू समेत सभी आरोपी हिरासत में

अयोध्या (ब्यूरो)– अयोध्या के राम मंदिर के चढ़ावा चोरी मामले में अब ताबड़तोड़ एक्शन शुरू हो गया है। गुरुवार को ही इस मामले में राम मंदिर ट्रस्ट की शिकायत पर चोरों के खिलाफ पहली FIR दर्ज की गई थी और अब आरोपियों की धरपकड़ भी शुरू हो गई है। पुलिस ने मामले में टिन्नू यादव, लवकुश मिश्रा, अनुकल्प मिश्रा, अविनाश शुक्ला, मनीष यादव और रमाशंकर मिश्रा समेत सभी आठों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। गुरुवार शाम को ही चढ़ावा चोरी मामले में ट्रस्ट की ओर से स्न्रद्धक्रदर्ज कराई गई थी, जिसमें आठ आरोपियों को नामजद किया गया है। ये FIR सीएम योगी आदित्यनाथ के सख्त रुख के बाद दर्ज हुई है। मंगलवार को ही कथित चढ़ावा चोरी की जांच कर रही SIR ने शुरुआती जांच रिपोर्ट सौंपी थी। मुख्यमंत्री योगी ने पहले ही साफ कहा था कि SIT की निष्पक्ष जांच से दूध का दूध और पानी का पानी होगा और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, CCTV में कुछ चोर चढ़ावे से चोरी करते दिखे थे, जिनके खिलाफ FIR दर्ज कराई गई है। इस पूरे मामले में यह पहली FIR है। यह FIR ऐसे समय दर्ज हुई है, जब राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला गरमाया गया है और हाल में ही SIT ने इस मामले में शुरुआती जांच रिपोर्ट सौंपी है।

वेनेज़ुएला भूकंप

कराकास में 162 लोगों की मौत 971 घायल; सैकड़ों अब भी लापता

कराकास (एजेंसी)- दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में विनाशकारी भूकंप आया है। एक मिनट के अंतराल में आए 7.1 और 7.5 तीव्रता के भूकंप ने भीषण तबाही मचाई है। कई इमारतों और मकानों के ढहने की खबर है। इस घटना में राजधानी कराकास में 162 लोगों के मौत की और 971 लोगों के घायल होने की खबर आई है। राहत और बचाव का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है।

दरअसल, बुधवार को वेनेजुएला की राजधानी कराकास के पश्चिम में भूकंप के तगड़े झटके महसूस किए गए। इससे काराकस में इमारतें गिर गईं, लोग मलबे में दब गए। मौसम वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि इस दक्षिण अमेरिकी देश में भारी जान-माल का नुकसान हो सकता है। यू.एस. जियोलॉजिकल सर्वे (USGS) के अनुसार, काराकस से लगभग 160 किलोमीटर (100 मील) पश्चिम में 7.2 तीव्रता का भूकंप आया और एक मिनट से भी कम समय बाद 7.5 तीव्रता का दूसरा झटका महसूस किया गया। शुरुआती अनुमान के मुताबिक, मरने वालों की संख्या 10,000 से 1,00,000 के बीच हो सकती है।

इमरजेंसी घोषित

वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने बुधवार को देश में आए विनाशकारी भूकंप के बाद इमरजेंसी का एलान किया है। उन्होंने देश को संबोधित करते हुए कहा कि जिन लोगों ने दुर्भाग्य से अपने परिवार के किसी सदस्य को खो दिया है, उनके प्रति हम अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। हालांकि, उन्होंने मरने वालों या घायलों की कुल संख्या नहीं बताई।

ष्टहह के अनुसार, भूकंप के बाद गिरी हुई इमारतों और क्षतिग्रस्त ढांचों के नीचे फंसे लोगों को खोजकर निकालने के लिए इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीमें तैनात की गई हैं। स्थानीय अधिकारियों और चश्मदीदों ने बताया कि इमारतें गिर गई हैं, बचाव कार्य चल रहा है और घायलों की संख्या बढ़ रही है। गृह मंत्री डियोसडाडो कैबेलो ने सरकारी टीवी पर कहा, कई इमारतें और घर ढह गए हैं और हम सुरक्षा और नागरिक सहायता के लिए उपलब्ध हर चीज़ का इस्तेमाल करके स्थिति को संभाल रहे हैं।

मदद के लिए आगे आया अमेरिका

भूकंप के बाद मदद से लिए अमेरिका आगे आया है। अमेरिकी डिप्टी सेक्रेटरी ऑफ स्टेट क्रिस्टोफर लैंडौ ने X पर कहा, हम वेनेजुएला के अधिकारियों के संपर्क में हैं और मदद जुटा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भूकंप बहुत विनाशकारी था। काराकस में अमेरिकी दूतावास ने कहा कि वह भूकंप के बाद की स्थिति पर बारीकी से नज़र रख रहा है और देश के नागरिकों से सुरक्षित आश्रय लेने और क्षतिग्रस्त इलाकों से दूर रहने की अपील की है।

छुट्टी के दिन भूकंप के झटके

जिस दिन वेनेजुएला में भूकंप आया, उस दिन सार्वजनकि छुट्टी थी और लोग अपने घरों में थे। इसी दिन 1821 में स्पेन से वेनेजुएला को आजादी मिली, जिसके कारण इस दिन सार्वजनिक छुट्टी रहती है। पश्चिमी कराकस में रहने वाली 41 वर्षीय पब्लिसिस्ट एस्ट्रिड रामिरेज़ ने कहा, जैसे ही यह शुरू हुआ, हमें लोगों के चिल्लाने की आवाज सुनाई देने लगी। हर कोई सीढ़ियों से नीचे भाग रहा था। पूर्वी कराकस में रहने वाली 56 वर्षीय कोरो मार्टिनेज ने कहा, बहुत जोरदार आवाज हुई। घर में चीज़ें गिर गईं, फ्रिज के अंदर रखे जग भी गिर गए। मैंने ऐसा अनुभव पहले कभी नहीं किया था।

भारत हर संभव मदद देने के लिए तैयार- पीएम मोदी

वेनेजुएला में आए विनाशकारी भूकंप पर दुख जताते हुए पीएम मोदी ने कहा, वेनेजुएला में आए जबरदस्त भूकंप से हुई तबाही से बहुत दुख हुआ है। भारत के लोगों की ओर से मैं वेनेजुएला की सरकार और वहां के लोगों के प्रति, और खासकर उन परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। हम घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना करते हैं और इस मुश्किल समय में प्रभावित सभी लोगों के साथ एकजुटता से खड़े हैं। भारत हर संभव मदद देने के लिए तैयार है।

अस्पताल घायलों के इलाज के लिए तैयार

काराकस के अस्पताल डी क्लिनिकास में, वहां काम करने वाले एक कर्मचारी ने बताया कि घायलों के इलाज में मदद के लिए कर्मचारियों को नाइट शिफ्ट में दोगुना काम करने के लिए कहा गया था। काराकस के उत्तर में तट पर स्थित माइक्वेटिया में वेनेजुएला का सबसे बड़ा हवाई अड्डा नुकसान के कारण बंद कर दिया गया है।

तेल इंफ्रास्ट्रक्चर पर कोई असर नहीं

वेनेजुएला के तेल इंफ्रास्ट्रक्चर पर भूकंप के झटकों का तुरंत कोई असर नहीं दिखा, क्योंकि जिन शहरों में भारी नुकसान की आधिकारिक रिपोर्ट है, उनमें से लगभग किसी में भी महत्वपूर्ण तेल इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं है।

लेक माराकाइबो के बड़े तेल केंद्र के पास माराकाइबो में नागरिक सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

फर्जी वीडियो साजिश का पर्दाफाश, मास्क पहनकर बनाई गई थी वीडियो : भगवंत मान

विरोधियों ने धार्मिक आधार पर बदनाम करने की कोशिश की : मुख्यमंत्री

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

25 जून (एएम नाथ)

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने सोशल मीडिया पर वायरल हुई कथित फर्जी वीडियो को लेकर बड़ा खुलासा करते हुए दावा किया कि उनके जैसा दिखने वाला विशेष मास्क तैयार कर वीडियो बनाई गई थी। मीडिया के सामने सबूत पेश करते हुए उन्होंने कहा कि कनाडा में रहने वाले जगमन समरा ने इस मास्क का इस्तेमाल कर वीडियो शूट की। मान ने कहा कि वह 2016 के बाद कभी कनाडा नहीं गए, जबकि वीडियो कनाडा के एबॉट्सफोर्ड स्थित एक होटल में फिल्माई गई बताई जा रही है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि वीडियो में दिखाई देने वाले व्यक्ति की ठोड़ी, गर्दन, त्वचा का रंग और चेहरे की बनावट उनके वास्तविक स्वरूप

से मेल नहीं खाते। उन्होंने कहा कि उनकी ठोड़ी पर बचपन से सर्जरी का स्थायी निशान है, जो कथित वीडियो में नहीं दिखता। मान के अनुसार मास्क को छिपाने के लिए काले चश्मे का भी उपयोग किया गया था। उन्होंने कहा कि जांच में शामिल लोगों की पहचान कर ली गई है और जल्द ही पूरी साजिश तथा इसके वित्तपोषकों का खुलासा किया जाएगा।

भगवंत मान ने आरोप लगाया कि राजनीतिक विरोधियों ने उन्हें धार्मिक रूप से बदनाम करने के उद्देश्य से इस वीडियो का इस्तेमाल किया और धार्मिक संस्थाओं पर भी दबाव बनाकर उनके खिलाफ माहौल तैयार करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि प्रस्तुत किए गए सभी सबूत पुलिस और श्री अकाल तख्त साहिब को सौंपे जाएंगे तथा मामले की गहन जांच की मांग की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस संबंध में एफआईआर पहले ही दर्ज हो चुकी है और जगमन समरा को भारत लाने के लिए इंटरपोल की मदद लेने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उन्होंने विश्वास जताया कि पंजाब के लोग सच्चाई को समझते हैं और इस तरह की साजिशें सफल नहीं होंगी।

महारानी मैक्सिमा से मिले पीएम मोदी, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना पर हुई चर्चा

भारत की डीपीआई क्रांति से वित्तीय सेवाएं हुईं सुलभ और किफायती : पीएम मोदी

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

25 जून (एएम नाथ)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को क्वीन मक्सिम से मुलाकात कर भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) आधारित क्रांति और वित्तीय समावेशन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। इस दौरान दोनों नेताओं ने इस बात पर विचार–विमर्श किया कि किस प्रकार डिजिटल तकनीक के माध्यम से वित्तीय सेवाओं को अधिक सुलभ, किफायती और प्रभावी बनाया जा सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मुलाकात के बाद सोशल मीडिया मंच एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि भारत की डीपीआई आधारित पहलें देश में करोड़ों लोगों तक बैंकिंग और अन्य वित्तीय सेवाओं की पहुंच बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना ने न केवल वित्तीय सेवाओं को आसान बनाया है, बल्कि लोगों के जीवन को सरल बनाने और उन्हें व्यापक स्तर पर सशक्त करने में भी मदद की है।

प्रधानमंत्री ने यह भी दोहराया कि भारत डिजिटल नवाचार और वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में अपने अनुभव तथा सर्वोत्तम प्रथाओं को अन्य साझेदार देशों के साथ साझा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि तकनीक आधारित समाधान समावेशी विकास को गति देने का प्रभावी माध्यम बन सकते हैं। महारानी मैक्सिमा, जो यूनाइटेड नेशनल महासचिव की वित्तीय स्वास्थ्य संबंधी विशेष अधिवक्ता भी हैं, लंबे समय से वैश्विक स्तर पर वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रही हैं। बैठक के दौरान वित्तीय स्वास्थ्य, डिजिटल भुगतान प्रणालियों और समावेशी आर्थिक विकास से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने महारानी मैक्सिमा से मुलाकात पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि भारत और वैश्विक समुदाय के बीच सहयोग से वित्तीय सशक्तीकरण और समावेशी विकास के नए अवसर पैदा किए जा सकते हैं।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री से मिला राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ

शिक्षक हितों और उच्च शिक्षा सुधारों पर रखे महत्वपूर्ण मुद्दे, विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक-2025 पर महासंघ ने दिए सुझाव, शिक्षक हितों की उठाई आवाज

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

25 जून (एएम नाथ)

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से भेंट कर विद्यालयी एवं उच्च शिक्षा से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षक समाज एवं शिक्षा जगत की प्रमुख चिंताओं, अपेक्षाओं और लंबित मुद्दों से मंत्री को अवगत कराया। यह जानकारी अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के पूर्व प्रांत महामंत्री डॉ. मामराज पुंडीर द्वारा जारी बयान में दी गई।

उन्होंने बताया कि बैठक में वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता का विषय प्रमुखता से उठाया गया। महासंघ ने इस संबंध में शिक्षकों की चिंताओं, विधिक तथ्यों, प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों तथा मानवीय पक्ष को विस्तार से रखते हुए आग्रह किया कि लंबे समय से सेवाएं दे रहे शिक्षकों के हितों की रक्षा करते हुए न्यायसंगत, व्यावहारिक एवं संवेदनशील निर्णय लिया जाए।

प्रतिनिधिमंडल ने विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक-2025 के संबंध में भी अपने सुझाव एवं अपेक्षाएं मंत्री के समक्ष रखीं। चर्चा के दौरान उच्च शिक्षा में संस्थागत स्वायत्तता, गुणवत्ता संवर्धन, शिक्षक हितों के संरक्षण, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व, राज्यों और विभिन्न

हितधारकों की सहभागिता, अनुसंधान एवं नवाचार को प्रोत्साहन तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन जैसे विषयों पर विशेष बल दिया गया। महासंघ ने सुझाव दिया कि प्रस्तावित विधेयक को ऐसा स्वरूप दिया जाए जो भारतीय उच्च शिक्षा व्यवस्था को अधिक सक्षम, समावेशी, उत्तरदायी और राष्ट्रहितकारी बना सके। बैठक में उच्च शिक्षा एवं शिक्षकों से जुड़े विभिन्न लंबित विषयों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। महासंघ ने कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) में आ रही समस्याओं, पीएचडी कर रहे शिक्षकों की कठिनाइयों, शोध परियोजनाओं एवं शोध अनुदान की उपलब्धता, विशेष रूप से महाविद्यालयों एवं छोटे राज्य विश्वविद्यालयों के शिक्षकों के लिए अनुसंधान अवसरों के विस्तार, उच्च शिक्षा संस्थानों में आधारभूत सुविधाओं एवं मानव संसाधनों की आवश्यकता, रिक्त पदों की शीघ्र पूर्ति तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन जैसे मुद्दों को प्रमुखता से रखा। महासंघ ने इन विषयों पर आवश्यक नीतिगत हस्तक्षेप और समयबद्ध समाधान की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल में प्रो. नारायण लाल गुप्ता, प्रो. गीता भट्ट, महेंद्र कपूर, जी. लक्ष्मण, महेंद्र कुमार, शिवानंद सिंदनकेरा तथा मोहन पुरोहित शामिल थे।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
पंजाब न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

सुल सुराही साहित्य सभा द्वारा एक साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया

ज़ीरा, 25 जून (अंग्रेज बराड़)- सुल सुराही साहित्य सभा नांगल द्वारा एक अनोखी साहित्यिक सभा का आयोजन किया गया। यह सभा लोकप्रिय साहित्यकार दंपति उमेश ठाकुर और कैलाश ठाकुर के घर पर आयोजित की गई। विश्व पंजाबी साहित्य रचना विचार मंच मोहाली के अध्यक्ष जसपाल सिंह देसुवी, कवि मंच (पंजीकृत) मोहाली के अध्यक्ष भगत राम रंगदा और श्रीमती नरिंदर कौर इस सभा में विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रख्यात ग़ज़लगो बलबीर सैनी ने की। इस दौरान अनौपचारिक वार्ता का एक लंबा दौर चला, जिसमें सभी लेखकों ने अतीत में आयोजित साहित्यिक कार्यक्रमों की अपनी यादें साझा कीं और अपनी साहित्यिक यात्रा के स्वर्णिम क्षणों को साझा किया। भगत राम रंगदा द्वारा लगभग इकसठ वर्ष पूर्व की घटनाओं का तिथियों, महीनों और वर्षों के अनुसार क्रमबद्ध वर्णन सभी के लिए रुचिकर रहा। इसी प्रकार, ठाकुर दंपति के आतिथ्य और निस्वार्थ सेवा ने सभी को प्रभावित किया।

दोपहर के भोजन के बाद कवि सभा शुरू हुई। श्री बलबीर सैनी की ग़ज़लों और रंगारा साहब के अनमोल लेखन ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। जसपाल सिंह देसुवी ने अपनी ग़ज़लों से खूब प्रशंसा बटोरी। श्रीमती कैलाश ठाकुर ने ग़ज़लों का पाठ करके सभी को मोहित कर लिया। बाल कलाकार मारिया जेसिका, एक युवा समाजसेवी, ने अपनी कविता %तितली% का पाठ करके समसामयिक घटनाओं को एक बाल्टी में सागर की तरह प्रस्तुत किया, जिसकी सभी ने खूब सराहना की। श्री ललित मोहन चौधरी ने अपनी कविता का पाठ किया। इसके अलावा, श्री गुरसेवक सिंह सैनी, बाबू राम मिन्हास, सुमन और अंजली देवी भी भव्य रूप से उपस्थित थे। पत्रकार गुरप्रीत ग्रेवाल ने मंच का संचालन बखूबी किया। लगभग तीन घंटे तक चले इस कार्यक्रम के अंत में, त्रैमासिक पत्रिका सुल सुराही (अप्रैल-जून) का विमोचन किया गया और अंत में, श्री भगत राम रंगारा, जसपाल सिंह देसुवी और श्रीमती नरिंदर कौर को दुशाले भेंट करके सम्मानित किया गया।

आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार अजय कुमार ने वार्ड नंबर 26 से भरे नामांकन पत्र, लोगों के भारी जमावड़े ने जीत की भरी गवाही

होशियारपुर, (तरसेम दीवाना) – होशियारपुर नगर निगम के वार्ड नंबर 26 से आम आदमी पार्टी (आप) के मेहनती और लोकप्रिय उम्मीदवार अजय कुमार द्वारा आज बड़ी संख्या में समर्थकों और मोहल्ला निवासियों की उपस्थिति में अपने नामांकन पत्र दाखिल किए गए। राजनीति के मैदान में पहली बार किस्मत आजमा रहे अजय कुमार का वार्ड नंबर 26 में अच्छा असर-रसूख होने के कारण आज वोटरों में भारी उत्साह देखने को मिला। कागजात भरने के समय उनके साथ इकट्ठा हुए जन-सैलाब ने साफ कर दिया है कि वार्ड के लोग अजय कुमार के कंधे से कंधा जोड़कर खड़े हैं और उनकी जीत की गवाही भर रहे हैं। नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद बातचीत करते हुए उम्मीदवार अजय कुमार ने वार्ड नंबर 26 के वोटरों का दिल से धन्यवाद किया। उन्होंने कहा, मैं वार्ड के सभी माई-बाप (वोटरों) के लिए दिन-रात हाजिर हूं। वार्ड में विकास कार्यों की किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी और इलाके की सूरत बदलने के लिए विकास को प्राथमिकता के आधार पर कराया जाएगा। नशे की गंभीर समस्या पर बोलते हुए अजय कुमार ने कहा कि वार्ड को नशा मुक्त करना और नौजवानों को सही रास्ते पर लाना उनका मुख्य उद्देश्य है, जिसके लिए पहल करते हुए विशेष कदम उठाए जाएंगे।

पंजाब की तरक्की से घबराए विपक्षी दल एकजुट: मान

1 जुलाई से महिलाओं को वित्तीय सहायता, विपक्ष पर बरसे भगवंत मान, 'मावां धीयां सत्कार योजना' और भूमिगत बिजली लाइन परियोजना का ऐलान

» प्रथम न्यूज । बरनाला

25 जून (ब्यूरो)

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गुरुवार को बरनाला में आयोजित लोक मिलनी कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस, भाजपा और अकाली दल पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि तीनों दल पंजाब की अभूतपूर्व प्रगति से परेशान होकर उनके खिलाफ एकजुट हो गए हैं। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल सरकार को बदनाम करने के लिए धर्म के नाम पर फर्जी वीडियो और झूठा प्रचार कर रहे हैं, लेकिन इससे उनकी सरकार का जनकल्याण और विकास का एजेंडा प्रभावित नहीं होगा।

मुख्यमंत्री ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि 1 जुलाई से 'मावां धीयां सत्कार योजना' के तहत राज्य की महिलाओं को वित्तीय सहायता मिलनी शुरू हो जाएगी। योजना के तहत 18 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को प्रति माह 1,000 रुपये तथा अनुसूचित जाति की महिलाओं को 1,500 रुपये सीधे उनके बैंक खातों में भेजे जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस योजना के लिए बजट में 9,300 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है और लगभग 97 प्रतिशत

महिलाओं को इसका लाभ मिलने की उम्मीद है। मान ने कहा कि यह सहायता महिलाओं को आर्थिक सम्मान और आत्मनिर्भरता प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि पंजाब सरकार ने गांवों में हाई-टेंशन बिजली लाइनों को भूमिगत करने की देश की पहली परियोजना शुरू की है। उनका कहना था कि इससे बिजली हादसों, फसलों में आग लगने और खराब मौसम के कारण होने वाली बिजली बाधाओं से राहत मिलेगी। उन्होंने दावा किया कि राज्य के 90 प्रतिशत से अधिक घरों को मुफ्त बिजली मिल रही है और किसानों को पहली बार दिन के समय बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। इसके अलावा 14 हजार किलोमीटर पाइपलाइन और जलमार्ग बिछाकर किसानों तक सिंचाई सुविधाएं पहुंचाई गई हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र में 'मुख्यमंत्री सेहत योजना' का उल्लेख करते हुए मान ने कहा कि पंजाब देश का पहला राज्य है जो प्रत्येक परिवार को 10 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज उपलब्ध करा रहा है। विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जनता ही अंतिम फैसला करेगी और उनकी सरकार पंजाब के हितों के लिए काम करती रहेगी।

भगवंत मान झूठ का नकाब उतारिए, इस्तीफा दीजिए : ढिल्लों

भगवंत मान की सफाई पर बीजेपी का पलटवार, फर्जी रिपोर्ट और FIR पर बीजेपी के सवाल

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

25 जून (एएम नाथ)

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कथित वायरल वीडियो मामले में अपनी सफाई देते हुए वीडियो को पूरी तरह फर्जी बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें बदनाम करने की साजिश रची जा रही है। हालांकि, उनकी प्रेस ब्रीफिंग के बाद भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने उन पर तीखा हमला बोला है।

पंजाब बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर मुख्यमंत्री मान को घेरते हुए कहा कि पंजाब सब देख रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भगवंत मान ने अपनी पूरी प्रेस कॉन्फ्रेंस में 10 लाख रुपये की कथित रिश्वत, फर्जी फॉरेंसिक रिपोर्ट, गुरुग्राम में दर्ज एफआईआर और पंजाब पुलिस की कथित भूमिका पर कोई जवाब नहीं दिया। ढिल्लों ने दावा किया कि सच को दबाने के लिए झूठी रिपोर्ट का सहारा लिया गया। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने इस मामले में अरविन्द केजरीवाल की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक इस पूरे विवाद पर कुछ नहीं बोल रहे हैं। ढिल्लों ने आरोप लगाया कि यदि कोई साजिश का हिस्सा हो तो उसके लिए सच का सामना करना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा कि पंजाब की जनता जवाब मांग रही है और मुख्यमंत्री भगवंत मान को अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। इस बयान के बाद राज्य की राजनीति में एक बार फिर आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है।

फार्मेसी ऑफिसर्स एसोसिएशन ने स्वास्थ्य निदेशक के साथ बैठक की

» प्रथम न्यूज । जालंधर

25 जून (कुलदीप सिंह)

पंजाब राज्य फार्मेसी अधिकारी संघ के स्वास्थ्य निदेशक के साथ उनके द्वारा दिए गए लिखित समय के अनुसार बैठक हुई। यह बैठक नव निर्वाचित समिति के राज्य अध्यक्ष सुखदीप शर्मा और महासचिव सुनील दत्त शर्मा के नेतृत्व में परसों हुई। इसमें स्वास्थ्य निदेशक का नव निर्वाचित समिति सदस्यों से परिचय कराया गया। बैठक की कार्यवाही की जानकारी देते हुए संगठन की राज्य प्रेस सचिव दीपांजलि भट्टी ने बताया कि बैठक में फार्मेसी अधिकारियों की समस्याओं पर चर्चा हुई। मुख्य मांग माननीय उच्च न्यायालय के निर्णय के अनुसार फार्मेसी अधिकारियों को पंजाब वेतनमान प्राप्त कराने के लिए एक सामान्य आदेश जारी करने की थी, जिस पर निदेशक ने कहा कि सरकार

कानूनी सलाहकार से बात करने के बाद जल्द ही इसका समाधान करेगी। फार्मेसी अधिकारियों के शेष नियमित पदों को भरने के संबंध में उन्होंने कहा कि सरकार इन 454 पदों को जल्द ही भरेगी। इसके बाद उन्होंने सेवानिवृत्त फार्मेसी अधिकारियों के अवकाश नकदीकरण के लंबित मामलों को जल्द ही निपटाने का आश्वासन दिया। निदेशक ने स्पष्ट किया कि ये धनराशि विभाग द्वारा सिविल सर्जन कार्यालयों को बहुत पहले ही जारी कर दी गई है। निदेशक ने कहा कि जिन लोगों को टाडा (TADA) नहीं मिला है, उन्हें पहले अपने जिले के सिविल सर्जन से मिलना चाहिए और इसकी जानकारी स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण निदेशक को देनी चाहिए। अमरनाथ यात्रा पर जा रहे फार्मेसी अधिकारियों के जीवन को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए उनके बीमा का मुद्दा भी उठाया गया, जिस पर उन्होंने कहा कि इस संबंध में जल्द ही कोई समाधान निकाला जाएगा। पंजाब राज्य में जिला जेल ड्यूटी लागू करने के विषय पर भी चर्चा हुई। विभाग में फार्मेसी अधिकारियों की कम संख्या के कारण कई कर्मचारियों को लंबे समय से कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जिस पर निदेशक ने विश्वास व्यक्त किया कि नव नियुक्त 454 नियमित पदों से यह समस्या हल हो जाएगी।

डेरा बाबा नानक से जागरूक करने और शिकायतें दर्ज करने के लिए नशा मुक्ति ई-रिक्शा रवाना

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर

25 जून (संदीप सन्नी)

पंजाब सरकार द्वारा राज्य को पूरी तरह नशा-मुक्त और सेहतमंद बनाने के लिए छेड़े गए महा-अभियान के अंतर्गत एक और अनूठी पहल की गई है। डेरा बाबा नानक के विधायक गुरदीप सिंह रंधावा की अगुवाई क्षेत्र में विशेष 卐नशा मुक्ति ई-रिक्शा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

इस विशेष अवसर पर विधायक रंधावा के पुत्र मनरूप सिंह रंधावा ने नशा मुक्ति मोर्चा की टीम के साथ मिलकर समाज को नशा-मुक्त बनाने के लिए जन-जागरूकता का संदेश दिया। उन्होंने भावुक अपील करते हुए कहा, आइए, हम सब मिलकर नशे को जड़ से खत्म करने और एक तंदुरुस्त व खुशहाल पंजाब के निर्माण में अपना बहुमूल्य योगदान दें।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के विजन को मिलेगी और रफ्तार : मनरूप रंधावा ने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के कड़े दिशा-निर्देशों के तहत नशे के खिलाफ चल रहे आंदोलन को ग्रामीण और जमीनी स्तर पर और ज्यादा तेज करने के मकसद से इस नशा मुक्ति ई-रिक्शा अभियान का आगाज किया गया है।

उन्होंने आगे कहा : पंजाब सरकार राज्य से नशे को मुकम्मल तौर पर समाप्त करने के लिए पूरी मुस्तैदी से काम कर रही है, जिसके बहुत ही सकारात्मक और बड़े नतीजे सामने आए हैं। सरकार द्वारा जहाँ एक तरफ बड़े नशा तस्करों को सलाखों के पीछे भेजा जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ इस दलदल में फंसे युवाओं का मुफ्त इलाज करवाकर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है।

पैगंबर-ए-इस्लाम हज़रत मोहम्मद साहब और अन्य पैगंबरों के खिलाफ आपत्तिजनक बयान बर्दाश्त नहीं, सख्त और गैर-जमानती कानून बनाया जाए : हाजी आबिद हसन सलमानी

» प्रथम न्यूज । जालंधर

25 जून (डोगरा)

ऑल इंडिया जमात सलमानी ट्रस्ट के चेयरमैन तथा ईमारत-ए शरिया पंजाब के उप प्रधान हाजी आबिद हसन सलमानी ने देश में पैगंबर-ए-इस्लाम हज़रत मोहम्मद साहब तथा अन्य पैगंबरों के संबंध में दिए जा रहे आपत्तिजनक और भड़काऊ बयानों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई समय की आवश्यकता है।

अपने एक बयान में हाजी आबिद हसन सलमानी ने कहा कि सभी धर्मों के पूजनीय व्यक्तित्वों, पैगंबरों और धार्मिक महापुरुषों का सम्मान भारत की साझा संस्कृति और संवैधानिक मूल्यों का अभिन्न हिस्सा है। किसी भी धर्म की पवित्र हस्तियों के खिलाफ अपमानजनक भाषा का प्रयोग न केवल करोड़ों लोगों की धार्मिक भावनाओं को आहत करता है, बल्कि समाज में नफरत, तनाव और अशांति को भी बढ़ावा देता है।

उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों से मांग की कि पैगंबर-ए-इस्लाम हज़रत मोहम्मद मुस्तफ़ा , अन्य पैगंबरों तथा सभी धर्मों की पूजनीय हस्तियों के खिलाफ आपत्तिजनक और भड़काऊ बयान देने वालों के लिए सख्त कानून बनाया जाए, जिसके तहत तत्काल कार्रवाई और कठोर दंड सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि वर्तमान कानूनों के तहत कई मामलों में आरोपी आसानी से जमानत प्राप्त कर लेते हैं, जिससे ऐसे लोगों के हौसले बढ़ते हैं।

हाजी आबिद हसन सलमानी ने मांग की कि धार्मिक वैमनस्य फैलाने और पूजनीय हस्तियों के अपमान से जुड़े मामलों में सख्त तथा प्रभावी कानूनी प्रावधान लागू किए जाएं, ताकि कोई भी व्यक्ति धार्मिक भावनाओं से खिलवाड़ करने का दुस्साहस न कर सके। उन्होंने कहा कि देश में सांप्रदायिक सौहार्द, भाईचारे और आपसी सम्मान को बनाए रखने के लिए ऐसी हरकतों के खिलाफ मजबूत कानूनी व्यवस्था बेहद जरूरी है।

उन्होंने लोगों से भी अपील की कि ऐसे भड़काऊ बयानों के जवाब में शांति, संयम और कानून का रास्ता अपनाएं तथा देश की एकता, अखंडता और भाईचारे को मजबूत बनाने में अपना योगदान दें।

डॉ. शाहबाज सिंह चीमा ने मुख्य कृषि अधिकारी गुरदासपुर का पदभार संभाला

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर

25 जून (संदीप सन्नी)

कृषि विभाग जिला गुरदासपुर में डॉ. शाहबाज सिंह चीमा ने मुख्य कृषि अधिकारी के रूप में अपना कार्यभार संभाल लिया है। उल्लेखनीय है कि डॉ. शाहबाज सिंह चीमा इससे पहले कृषि विभाग में बतौर डिप्टी डायरेक्टर तैनात थे और अब पदोन्नत होकर मुख्य कृषि अधिकारी के रूप में जिला गुरदासपुर में नियुक्त हुए हैं।

डॉ. चीमा कृषि विभाग में एक अधिकारी के तौर पर लंबा और समृद्ध अनुभव रखते हैं। इससे पहले वे डीएम पंजाब एग्रो, पनसीड क्षेत्रीय बीज प्रमाणन अधिकारी, जिला सिखलाई अधिकारी गुरदासपुर सहित कई अन्य महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उनके पदभार संभालने के अवसर पर जिला कृषि कार्यालय गुरदासपुर का समूचा स्टाफ विशेष रूप से उपस्थित रहा।

ईमानदारी से निभाऊंगा जिम्मेदारी, किसानों की बेहतरी पहली प्राथमिकता : डॉ. चीमा

कार्यभार संभालने के बाद मुख्य कृषि अधिकारी डॉ. चीमा ने पंजाब सरकार का आभार जताते हुए कहा कि सरकार ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसे वे पूरी निष्ठा और लगन से निभाएंगे और किसान वर्ग की बेहतरी के लिए अधिक से अधिक काम करेंगे। उन्होंने भावुक होते हुए कहा मैं खुद एक किसान परिवार से संबंध रखता हूँ और जमीनी स्तर पर किसान भाईचारे को आने वाली तमाम मुश्किलों व चुनौतियों से भली-भांति वाकिफ हूँ। किसानों की हर समस्या को आपसी तालमेल और संवाद के जरिए प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाएगा।

समारोह में ये प्रमुख हस्तियां रहीं उपस्थित

डॉ. चीमा के पदभार संभालने के मौके पर जहाँ जिला कृषि कार्यालय के सभी अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे, वहीं विभिन्न किसान यूनियनों व संगठनों के नेताओं ने भी कार्यक्रम में शिरकत की।

इस अवसर पर सेवानिवृत्त ज्वाइंट डायरेक्टर डॉ. जतिंदर सिंह गिल, प्रिंसिपल स्वर्ण सिंह विर्क, डॉ. कृपाल सिंह (सेवानिवृत्त चीफ), डॉ. कुलजीत सिंह (सेवानिवृत्त चीफ), डॉ. कंवलप्रीत सिंह, डॉ. हीरा सिंह, डॉ. रमेश कुमार शर्मा, डॉ. विपन पठानिया, जतिंदर सिंह संधू कानूनगो, सविंदर सिंह लोहचप्प, सरवण सिंह लोहचप्प, गगनदीप सिंह विर्क, जत्थेदार करम सिंह पवार, डॉ. संदीप सिंह (जिला प्रोजेक्ट अफसर 'आत्मा'), संदीप सिंह नंगल बुट्टर, डॉ. तेजबीर सिंह (मुख्य कृषि अधिकारी, तरनतारन), प्रगतिशील किसान गुरबिंदर सिंह बाजवा, दिलबाग सिंह लाली चीमा, एडवर्टाइज बलजीतपाल सिंह खुंडा, पूर्व सरपंच मनिंदर सिंह पीर दी सैन, हरविंदरपाल सिंह बंटी सरपंच, अमरीक सिंह सरपंच, बीज उत्पादक प्रदीप सिंह, बीज उत्पादक रणजीत सिंह, हरजिंदर सिंह, अमरीक सिंह भगवानपुर, हरविंदरपाल सिंह बाजवा, गुरमीत सिंह सरपंच, जतिंदर सिंह सरपंच, भगवंत सिंह लुकमानिया सहित इलाके की कई अन्य गणमान्य शख्सियतें मौजूद रहीं।

25 जून 1975 को कांग्रस ने जबरी इमरजेंसी लगा लोकतंत्र की हत्या की थी-पुनीत शुक्ला

आज के संविधान पकड़ भाजपा को कोसने वाले राजनेता बताए की लाखो लोगो को जेलो मे क्यों दिया था-शीतल अंगुराल

» प्रथम न्यूज । जालंधर

25 जून (शैली अल्बर्ट)

आज भारतीय जनता पार्टी जालंधर शहरी के कार्यकारी प्रधान दविन्द्र भारद्वाज की अध्यक्षा मे पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और कांग्रस द्वारा गैरकानूनी तरीके से लोकतंत्र की हत्या कर 25 जून 1975 को लगाई इमरजेंसी के विरोध मे काला दिवस कार्यक्रम आयोजित भाजपा कार्यालय सीतला मंदिर मे सम्पन्न हुआ ।इस कार्यक्रम मे मुख्य से भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय द्वारा जालंधर कैंटोनमेंट बोर्ड में मनोनीत सिविल मेम्बर पुनीत शुक्ला,पूर्व प्रधान सुभाष सूद,पूर्व विधायक शीतल अंगुराल मुख्य रूप से उपस्थित हुए।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप मे पुनीत शुक्ला ने सभी कार्यकर्ताओ से अपने विचार सांझा करते हुए कहा कांग्रस ने जबरी इमरजेंसी लगा लोकतंत्र की हत्या की थी ।इतना ही नहीं जनता की आवाज दबाने के लिए जेले भरी गई जिसके बाद जनता के आक्रोश की अग्नि मे कांग्रस जलकर राख हो गई और देश में पहली बार गैर कांग्रसी सरकार जनता पार्टी की बनी ।इसलिए आज भी कांग्रस के इस काले दौर को लोग याद रखते है ।वही पूर्व भाजपा प्रधान सुभाष सूद ने कहा कांग्रस ने सत्ता बचाने के लिए लोकतंत्र को समय-समय पर दाव पर लगाया और भाजपा ने सदैव देश की एकता अखंडता के लिए बलिदान देकर काम किया।

इस अवसर पर शीतल अंगुराल बोले आज संविधान पकड़ भाजपा को कोसने वाले राजनेता बताए की लाखो लोगो को जेलो मे क्यों बंद कर दिया था ।उनका क्या कसूर था? इसका जवाब देश की जनता को दे ।वही जिला कार्यकारी प्रधान दविंद्र भारद्वाज ने बोला हिटलर की तरह कांग्रस ने मीडिया समेत गैर-कांग्रसी हर राजनैतिक-सामाजिक संगठन पर तानाशाही कर प्रतिबद लगा कार्यकर्ताओ को 19 महीने जेलों में रखा था।

जिसके चलते हजारो लोगो का आर्थिक,पारिवारिक,सामाजिक, शारीरिक रूप से नुकसान हुआ ।इस मौके पर उपप्रधान अश्वनी भंडारी,मनीष विज,दर्शन लाल भगत,महामंत्री अशोक सरीन हिक्की, अमरजीत सिंह गोल्डी,अरुण बजाज,हनी कंबोज,सचिव अनु शर्मा,महिला मोर्चा महामंत्री शालू,मंडल प्रधान राजेश मल्होत्रा,आशीष सहगल,मनीष बल,अजय ठाकुर,प्रदीप खुल्लर,पार्षद कंवर सरताज,हिमांशु शर्मा,डिंपी लुभाना,सनी शर्मा,मनीष सहगल,सुमन राना,किरन भगत,सीमा रानी,अजमेर सिंह बादल,मनजीत सिंह सरोआ,ललित बब्बू,प्रमोद कश्यप,हैप्पी दीवान,अनुज शरदा, मोहित त्रेहान, अजय भारद्वाज, अरुण कुमार,अजय सहगल, गौरव राय, अर्जुन सिंह हैप्पी,दिनेश महेन्द्रू आदि मौजूद थे।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

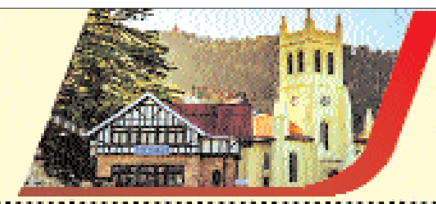

संक्षिप्त न्यूज

विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह एंटी चिट्टा रैली को दिखाएंगे हरी झंडी

चंबा (एएम नाथ)– विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया 26 जून को जिला मुख्यालय चंबा में आयोजित होने वाली एंटी चिट्टा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। जिला कल्याण अधिकारी मंजुल ठाकुर ने बताया कि 26 जून को पूर्वाहन 11 बजे कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके अंतर्गत विधानसभा अध्यक्ष बचत भवन में आयोजित होने वाले कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को नशा न करने की शपथ दिलाने के पश्चात जिला मुख्यालय में आयोजित होने वाली एंटी चिट्टा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

यह कार्यक्रम प्रदेश सरकार द्वारा नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जन–जागरूकता बढ़ाने तथा युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष अभियान का हिस्सा है।

धर्मशाला में दर्दनाक सड़क हादसा, खाई में गिरी कार, युवक की मौत

पंजाब की युवती गंभीर रूप से घायल

धर्मशाला (एएम नाथ)– हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में एक कार क्षतिग्रस्त सड़क से सीधे खाई में जा गिरी। नरघोटा में हुए इस हादसे में पंजाब नंबर की कार में सवार 30 वर्षीय अक्षय कुमार पुत्र अनिल कुमार निवासी शीला चौक की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि युवक शेयर मार्केट का काम करता था व इस संबंध क्लासेज भी लगाता था।

कार में सवार फतेहाबाद पंजाब निवासी 28 वर्षीय उपासना सिंह पुत्री अच्छर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे उपचार के लिए टांडा अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। युवती की बाजू, सिर व टांग में गंभीर चोट आई हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वीर बहादुर ने बताया कि यह घटना बुधवार देर शाम की है। जब कार नरघोटा के पास एक खाई में लुढ़क गई। दुर्घटना में चालक की मौके पर मौत हो गई और गाड़ी में सवार युवती गंभीर रूप से घायल है जिसका उपचार चल रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे की जांच शुरू कर दी है।

विभाग के खिलाफ एफआईआर की मांग

बताया जा रहा है कि क्षतिग्रस्त सड़क के कारण यह हादसा हुआ है। लोग लोक निर्माण विभाग के खिलाफ मामला दर्ज किए जाने की मांग कर रहे हैं।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026 के लिए 10 जुलाई तक करें ऑनलाइन आवेदन : नरेश चंदेल

बिलासपुर (जितेंद्र गौतम)–उपनिदेशक उच्च शिक्षा नरेश चंदेल ने जिला बिलासपुर के पात्र शिक्षकों से राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार–2026 के लिए 10 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन करने की अपील की है। उन्होंने बताया कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा ऑनलाइन स्व–नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। यह पुरस्कार उन शिक्षकों को दिया जाता है जिन्होंने नवाचारी शिक्षण, समर्पण और उत्कृष्ट कार्यों के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार किया है।

उन्होंने बताया कि आवेदन प्रक्रिया 15 जून से शुरू हो चुकी है और 10 जुलाई तक आवेदन किए जा सकते हैं। इसके बाद 11 से 13 जुलाई तक आवेदन की पुष्टि की जाएगी। नरेश चंदेल ने कहा कि बिलासपुर के कई शिक्षक उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं और उनके लिए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान पाने का यह सुनहरा अवसर है।

उन्होंने पात्रता मानदंडों का अध्ययन कर समय पर आवेदन करने का आग्रह किया। चयनित शिक्षकों को 4 और 5 सितंबर 2026 को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार समारोह में सम्मानित किया जाएगा।

निर्जला एकादशी पर आईटीआई के छात्रों ने लगाई छबील

कुठाड़, 25 जून (तारा) – निर्जला एकादशी के अवसर पर आई टीआई कुठाड़ के छात्रों ने बस स्टैंड कुठाड़ पर अनुदेशक अमित कुमार के मार्ग दर्शन में मीठे ठंडे व तरबूज मिश्रित पानी की छबील लगाई।

इस दौरान छात्रों ने राहगीरों, स्थानीय लोगों व वाहनों में आने जाने लोगों को ठंडा शीतल जल पिलाया व उनका आशीर्वाद लिया। हिंदू शास्त्रों के मुताबिक मान्यता है कि एकादशी के दिन चिलचिलाती धूप में जल पिलाने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है व ठंडे पानी का दान करने से पितरों की आत्मा को भी तृप्ति व शांति मिलती है। वहीं ठंडे पानी की छबील लगाना विभिन्न समुदाय के लोगों को एक जोड़ता है। ग्राम पंचायत कृष्णगढ़ के प्रधान पुष्पेंद्र कुमार व उप प्रधान नरेंद्र बबलू सहित अन्य लोगों ने आई टी आई प्रशिक्षुओं द्वारा लगाई गई छबील की सराहना कर इसे जनहित में पुण्य कार्य बताया।इस अवसर पर आई टी आई के अनुदेशक मैकेनिक मोटर व्हीकल अमित कुमार के इलावा प्रशिक्षु आयुष, तरुण, शिवम,आयुष ठाकुर,अजय, सौरभ, ललित,रवि सहित अन्य प्रशिक्षुओं ने अपना योगदान दिया।

मुख्यमंत्री ने जोहड़जी-मल्ला सड़क के लिए 20 करोड़ रुपये की घोषणा, प्राथा में खुलेगा सीबीएसई स्कूल

» प्रथम न्यूज । शिमला

25 जून (बी.शर्मा)

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने सोलन जिले के कसौली विधानसभा क्षेत्र के नेरी कलां में आयोजित जनसभा में जोहड़जी–मल्ला सड़क के निर्माण के लिए 20 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने पात्र महिलाओं को इंदिरा गांधी सुख सम्मान निधि के तहत 1500 रुपये पेंशन, प्राथा विद्यालय को सीबीएसई से संबद्ध करने, जोगिंद्रा सहकारी बैंक की शाखा खोलने तथा चाटी ढांक में बांध निर्माण के लिए सर्वेक्षण करवाने की भी घोषणा की।

ने कहा कि प्रदेश सरकार हिमाचल को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। किशाऊ बांध परियोजना के तहत हिमाचल को बिना अतिरिक्त वित्तीय बोझ के 211 मेगावाट बिजली मिलेगी, जिससे प्रदेश को सालाना लगभग 600 करोड़ रुपये का लाभ होगा। उन्होंने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्राकृतिक खेती से उत्पादित हल्दी, मक्की और गेहूं पर न्यूनतम समर्थन मूल्य दिया जा रहा है, जबकि दूध की खरीद भी बेहतर दरों पर की जा रही है।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने अनाथ बच्चों को 'चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट' का दर्जा दिया है तथा उनकी शिक्षा और पालन–पोषण का पूरा खर्च वहन कर रही है। साथ ही विद्यार्थियों को एक प्रतिशत ब्याज दर पर 20 लाख रुपये तक का शिक्षा ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है।

शिक्षा क्षेत्र में सुधार का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक लगभग 7000 शिक्षकों की भर्ती की जा चुकी है। प्रदेश में 150 सीबीएसई स्कूल शुरू किए गए हैं और जुलाई तक और शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी।

स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत बनाने के लिए सभी मेडिकल कॉलेजों में अगले दो महीनों के भीतर ऑटोमेटेड लैब स्थापित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जनता को बेहतर स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

आपातकाल संविधान की हत्या थी, कांग्रेस और इंदिरा गांधी इसके जिम्मेदार हैं : जयराम ठाकुर

» प्रथम न्यूज । शिमला

25 जून (बी.शर्मा)

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लगाया गया आपातकाल लोकतंत्र का काला अध्याय था। उन्होंने कहा कि अपनी सत्ता बचाने के लिए देश पर थोपा गया आपातकाल संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों पर सीधा प्रहार था। उस दौरान विपक्षी नेताओं को जेलों में बंद किया गया, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया गया और नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों का हनन किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की तत्कालीन नीतियों के कारण लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का प्रयास हुआ। जयराम ठाकुर ने कहा कि विडंबना यह है कि आज वही कांग्रेस संविधान बचाने की बात कर रही है, जबकि इतिहास में लोकतंत्र और संविधान को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाने का आरोप उसी पर लगता रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को पहले अपने अतीत पर आत्ममंथन करना चाहिए और देश से माफी मांगनी चाहिए। नेता प्रतिपक्ष ने हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि पंचायत और स्थानीय निकाय चुनावों को रोककर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित करने का प्रयास किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनप्रतिनिधियों पर दबाव बनाकर अपने राजनीतिक हित साधना चाहती है, जो लोकतांत्रिक परंपराओं के विपरीत है।

इस अवसर पर रामपुर विधानसभा क्षेत्र के ननखड़ी ब्लॉक समिति के अड्डू वार्ड से कान्ता खूंद, जाहू वार्ड से चिरंजी लाल, खुन्नी पनोली वार्ड से मिंटू मैहता तथा शोली वार्ड से अमर सिंह काल्टा ने अपने समर्थकों सहित भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा प्रदेश मुख्यालय दीप कमल में आयोजित कार्यक्रम में उनका स्वागत किया गया।

जयराम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस सरकार की जनविरोधी और हिमाचल विरोधी नीतियों से जनता में निराशा बढ़ रही है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की राष्ट्रहित, विकास और जनसेवा की विचारधारा से प्रभावित होकर लगातार लोग पार्टी से जुड़ रहे हैं। उन्होंने पार्टी में शामिल हुए सभी नए सदस्यों का स्वागत करते हुए विश्वास जताया कि वे संगठन को और मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

सलूणी में बीडीसी अध्यक्ष-उपाध्यक्ष चुनाव में देरी पर भड़का भाजयुमो, प्रशासन पर लगाए गंभीर आरोप

शनिवार तक बीडीसी चुनाव नहीं हुए तो होगा चक्का जाम : भाजयुमो, बीडीसी सदस्यों की खरीद-फरोख्त की आशंका, चुनाव प्रक्रिया तुरंत बहाल करने की मांग

» प्रथम न्यूज । डलहौजी

25 जून (सुरेंद्र भवानी)

चंबा जिले के सलूणी विकास खंड में बीडीसी अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव में हो रही देरी को लेकर भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) ने प्रदेश सरकार और प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। भाजयुमो ने चेतावनी दी है कि यदि शनिवार तक चुनाव प्रक्रिया पूरी नहीं करवाई गई तो कार्यकर्ता सड़कों पर उतरकर चक्का जाम करेंगे तथा एसडीएम कार्यालय का घेराव भी किया जाएगा। वीरवार को भाजयुमो मंडल अध्यक्ष कृष्णा पंडित के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने कार्यकारी एसडीएम सलूणी के माध्यम से उपायुक्त चंबा को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि बीडीसी अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव बिना किसी और देरी के तत्काल संपन्न करवाए जाएं। भाजयुमो नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार पंचायत चुनावों को शुरू से ही टालती रही है। उन्होंने कहा कि न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद करीब छह महीने की देरी से पंचायत चुनाव करवाए गए, लेकिन अब बीडीसी अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनावों को जानबूझकर लटकाया जा रहा है। उनका आरोप है कि प्रशासन सरकार के इशारे पर चुनाव प्रक्रिया को विलंबित कर रहा है ताकि जनमत को प्रभावित किया जा सके। भाजयुमो मंडल अध्यक्ष कृष्णा पंडित और जिला सचिव अनिल कुमार ने संयुक्त बयान में कहा कि चंबा जिले के अन्य सभी विकास खंडों में पंचायत समिति अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो चुके हैं, जबकि सलूणी में 25 दिन बीत जाने के बावजूद चुनाव नहीं करवाए गए हैं। इससे विकास खंड के विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव में देरी से बीडीसी सदस्यों की खरीद–फरोख्त (हॉर्स ट्रेडिंग) की आशंका बढ़ रही है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। नेताओं ने कहा कि यदि निर्धारित समय के भीतर चुनाव नहीं करवाए गए तो भाजपा और भाजयुमो कार्यकर्ता व्यापक आंदोलन छेड़ेंगे।

आंदोलन में उतरेगी डलहौजी भाजपा भी

भाजयुमो नेताओं ने स्पष्ट किया कि इस मुद्दे पर डलहौजी भाजपा भी उनके साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि यदि शनिवार तक चुनाव प्रक्रिया पूरी नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा तथा पूरे क्षेत्र में चक्का जाम कर सरकार और प्रशासन के खिलाफ विरोध दर्ज कराया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में भाजयुमो के कई पदाधिकारी और स्थानीय कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

मानसून आपदा प्रबंधन को लेकर जिला प्रशासन शिमला सतर्क, तैयारियों की समीक्षा

» प्रथम न्यूज । शिमला

25 जून (बी.शर्मा)

मानसून के दौरान संभावित प्राकृतिक आपदाओं से निपटने और जन–धन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन शिमला पूरी तरह सतर्क है। इस संबंध में उपायुक्त अनुपम कश्यप की अध्यक्षता में बचत भवन में समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिले के सभी एसडीएम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। उपायुक्त ने कहा कि सभी एसडीएम अगले सप्ताह मानसून तैयारियों और सेब सीजन की व्यवस्थाओं की समीक्षा करेंगे। उन्होंने बताया कि जिले में 200 आपदा मित्र और लगभग 500 युवा आपदा मित्र तैनात हैं, जबकि पंचायत स्तर पर भी जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

उन्होंने कहा कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य भारी वर्षा, भूस्खलन, बाढ़ और जलभराव जैसी परिस्थितियों में जनजीवन और आधारभूत ढांचे की सुरक्षा करना है। संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान, समय पर चेतावनी प्रणाली, राहत एवं बचाव कार्यों तथा आवश्यक सेवाओं की निरंतरता बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

जिला प्रशासन ने सड़कों, पुलों, जल निकासी प्रणालियों और बाढ़ सुरक्षा संरचनाओं का निरीक्षण शुरू कर दिया है। भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में चेतावनी संकेतक लगाए जा रहे हैं तथा वैकल्पिक मार्गों की जानकारी भी उपलब्ध कराई जा रही है। रोहड़ू, जुब्बल, चौपाल, रामपुर और अन्य क्षेत्रों में 219 आपदा प्रतिक्रिया किट वितरित की जा चुकी हैं।

उपायुक्त ने निर्देश दिए कि सभी पटवारी मानसून के दौरान होने वाले नुकसान की फोटो और वीडियो सहित रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने बताया कि जिला आपातकालीन संचालन केंद्र (1077) को सक्रिय रखा गया है तथा सभी विभागों को बिजली, पेयजल, संचार और परिवहन सेवाओं के लिए आकस्मिक योजनाएं तैयार रखने को कहा गया है।

प्रशासन ने आमजन से मौसम विभाग की चेतावनियों का पालन करने और आपात स्थिति में तुरंत प्रशासन से संपर्क करने की अपील की है।

पीपलू मेले के दूसरे दिन उमड़ा जनसैलाब, कुमार साहिल ने बांधा समां

» प्रथम न्यूज । बंगाणा

25 जून (जोगिंद्र देव आर्य)

कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के ऐतिहासिक तीन दिवसीय जिला स्तरीय पीपलू मेले के दूसरे दिन निर्जला एकादशी पर श्रद्धालुओं और दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही नरसिंह नारायण मंदिर में पूजा–अर्चना के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। मेले में धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सामाजिक सौहार्द का अनूठा संगम देखने को मिला।

चिंतपूर्णी के विधायक सुदर्शन सिंह बबलू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनका स्वागत विधायक विवेक शर्मा ने किया। दोनों नेताओं ने मंदिर में पूजा–अर्चना कर क्षेत्र की सुख–समृद्धि की कामना की।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्कूली बच्चों ने लोकनृत्य, देशभक्ति गीत और समूहगान प्रस्तुत कर दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी। कृषि, स्वास्थ्य, बागवानी और अन्य विभागों की प्रदर्शनियां भी आकर्षण का केंद्र रहीं। मुख्य अतिथि को शॉल, टोपी और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में सुदर्शन सिंह बबलू ने विधायक विवेक शर्मा के विकास कार्यों और मेले के उत्कृष्ट आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन हिमाचली संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान करते हैं।

शाम को हिमाचली लोकगायक कुमार साहिल ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। मेले की व्यवस्थाओं और सुरक्षा प्रबंधों की भी लोगों ने सराहना की।

संविधान हत्या दिवस पर भाजपा का कांग्रेस पर प्रहार, डॉ. राजीव बिंदल बोले– लोकतंत्र बचाने के लिए लाखों लोगों ने दिया संघर्ष और बलिदान

आपातकाल की विभीषिका को किया याद, भाजपा ने आयोजित की प्रदर्शनी व संगोष्ठी; लोकतंत्र सेनानियों और उनके परिजनों का हुआ सम्मान

» प्रथम न्यूज । शिमला

25 जून (बी.शर्मा)

भारतीय जनता पार्टी, हिमाचल प्रदेश द्वारा आज संविधान हत्या दिवस के अवसर पर शिमला में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर वर्ष 1975 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा लगाए गए आपातकाल की विभीषिका को स्मरण किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत मॉल रोड स्थित रोटरी टाउन हॉल के सामने आपातकाल पर आधारित एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने किया। प्रदर्शनी में आपातकाल के दौरान लोकतंत्र पर हुए हमले, प्रेस सेंसरशिप, लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष तथा ऐतिहासिक दस्तावेजों एवं चित्रों को प्रदर्शित किया गया।

इसके उपरांत कालीबाड़ी हॉल, शिमला में एक सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री श्री सुरेश भारद्वाज ने की। कार्यक्रम में वर्ष 1975 के आपातकाल के दौरान जेल गए लोकतंत्र सेनानियों एवं उनके परिजनों को सम्मानित कर उनके संघर्ष और बलिदान को नमन किया गया।

मुख्य वक्ता के रूप में अपने संबोधन में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि 25 जून 1975 भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय है। सत्ता बचाने के लिए तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने संविधान की भावना का गला घोंटते हुए पूरे देश पर आपातकाल थोप दिया। लाखों लोकतंत्र सेनानियों, विपक्षी नेताओं, पत्रकारों और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं को जेलों में डाल दिया गया तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को पूरी तरह कुचल दिया गया। उन्होंने कहा कि आज हम सौभाग्यशाली हैं कि 19 महीनों के लंबे संघर्ष के बाद देश में पुनः लोकतंत्र की स्थापना हुई। यह लोकतंत्र किसी सरकार की देन नहीं, बल्कि उन लाखों देशभक्तों के त्याग, तपस्या और संघर्ष का परिणाम है जिन्होंने जेलों में अमानवीय यातनाएं सहते हुए भी लोकतंत्र की रक्षा का संकल्प नहीं छोड़ा।

डॉ. बिंदल ने अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए कहा कि आपातकाल के दौरान वे हरियाणा में विद्यार्थी जीवन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता थे। भूमिगत रहकर लोकतंत्र बचाने के लिए साहित्य छापने और वितरित करने का कार्य किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार रात के अंधेरे में साइक्लोस्टाइल मशीन से पर्चे छापकर विश्वविद्यालयों और प्रभावशाली नागरिकों के घरों तक पहुंचाए जाते थे। अंततः उन्हें गिरफ्तार कर करनाल जेल भेज दिया गया, जहां लगातार शारीरिक एवं मानसिक यातनाएं दी गईं, लेकिन उन्होंने अपने साथियों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी।

उन्होंने कहा कि हरियाणा में तत्कालीन शासन के दौरान लोकतंत्र सेनानियों के साथ अत्यंत क्रूर व्यवहार किया गया। अनेक स्वयंसेवकों को उल्टा लटकाकर पीटा गया, चमड़े के चाबुकों से मारपीट की गई और झूठे मुकदमों में फंसाकर जेल भेजा गया। कई लोगों ने जेल से बाहर आने के तुरंत बाद ही अपने प्राण त्याग दिए। उन्होंने कहा कि उस दौर की पीड़ा को शब्दों में व्यक्त करना संभव नहीं है, उसे केवल वही महसूस कर सकता है जिसने उसे स्वयं झेला हो।

डॉ. बिंदल ने कहा कि आपातकाल के दौरान प्रेस की स्वतंत्रता पूरी तरह समाप्त कर दी गई थी। अखबारों पर सेंसरशिप लागू कर दी गई, बड़े–बड़े समाचार पत्रों के संपादकों और मालिकों को जेल में डाल दिया गया तथा रेडियो और अन्य संचार माध्यम पूरी तरह सरकार के नियंत्रण में आ गए थे। उस समय सत्य को जनता तक पहुंचाने का कार्य भूमिगत कार्यकर्ताओं ने अपने प्राणों की परवाह किए बिना किया।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्कालीन सरसंघचालक पूजनीय बालासाहेब देवरस द्वारा जेल से भेजा गया एक छोटा–सा पत्र लाखों स्वयंसेवकों के लिए संजीवनी बन गया। उसी प्रेरणा से हजारों कार्यकर्ता भूमिगत रहकर संगठन को जीवित रखने और लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करते रहे। उन्होंने कहा कि जेल जाने वाले कार्यकर्ताओं के साथ–साथ भूमिगत रहकर संगठन को जीवित रखने वाले कार्यकर्ताओं का योगदान भी उतना ही महत्वपूर्ण था। डॉ. बिंदल ने कहा कि यदि उस समय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारतीय जनसंघ तथा लोकतंत्र सेनानियों ने संघर्ष न किया होता तो आज भारत एक लोकतांत्रिक राष्ट्र नहीं होता। 1977 में जब चुनाव हुए तो जनता ने कांग्रेस सरकार को करारा जवाब देते हुए लोकतंत्र की पुनर्स्थापना की और यह सिद्ध कर दिया कि भारत की जनता किसी भी तानाशाही को कभी स्वीकार नहीं करेगी।

उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को आपातकाल के इतिहास से अवगत कराना समय की आवश्यकता है। लोकतंत्र और संविधान की रक्षा केवल कानूनों से नहीं बल्कि जागरूक नागरिकों से होती है। इसलिए आपातकाल की घटनाओं, लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष और उनके बलिदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी का दायित्व है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व मंत्री श्री सुरेश भारद्वाज ने कहा कि आपातकाल भारतीय लोकतंत्र पर सबसे बड़ा आघात था। उस कठिन समय में जिन लोगों ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष किया, उनका योगदान सदैव देश के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान करना राष्ट्र के प्रति हमारी कृतज्ञता का प्रतीक है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, प्रबुद्ध नागरिक, लोकतंत्र सेनानी एवं उनके परिजन उपस्थित रहे।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हरियाणा न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

आईडीएफसी बैंक करोड़ों रुपये घोटाला मामले में सीबीआई की एक और बड़ी कार्रवाई

हरियाणा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का कर्मचारी गिरफ्तार

पंचकूला (पुनीत महाजन) : हरियाणा में आईडीएफसी बैंक में हुए करोड़ों रुपये के कथित घोटाले की जांच कर रही केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने मामले में एक और महत्वपूर्ण गिरफ्तारी की है। सीबीआई ने हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (HSPCB) में कार्यरत सौरभ शर्मा नामक कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सौरभ शर्मा हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अकाउंट्स ब्रांच में कार्यरत था। सीबीआई की टीम ने उसे गिरफ्तार करने के बाद पंचकूला की जिला अदालत में पेश किया। अदालत में सुनवाई के दौरान सीबीआई ने आरोपी से पूछताछ और मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच के लिए रिमांड की मांग की। अदालत ने सीबीआई की दलीलों को स्वीकार करते हुए आरोपी सौरभ शर्मा को चार दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया। गौरतलब है कि आईडीएफसी बैंक घोटाला मामले में इससे पूर्व सीबीआई द्वारा वरिष्ठ आईएएस अधिकारी पंकज अग्रवाल को भी गिरफ्तार किया जा चुका है। जांच एजेंसी इस पूरे मामले में धन के लेन-देन, बैंकिंग प्रक्रियाओं में कथित अनियमितताओं तथा अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका की गहन जांच कर रही है।

सीबीआई की इस ताजा कार्रवाई को मामले की जांच में एक महत्वपूर्ण कड़ी माना जा रहा है। जांच एजेंसी द्वारा आगामी दिनों में और भी खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

एक सपना ऐसा भी चैरिटेबल रुप का संकल्प 'सेवा ही हमारा धर्म है

समाज सेवा मानवता के लिए एक महत्वपूर्ण कार्य है- आनंद

चंडीगढ़ (मुकेश डोलिया): भारत में जन कल्याण एवं जन सेवा की भावना यहां की संस्कृति की पहचान है। हर धर्म का सम्मान और सेवा जीवन का अभिन्न अंग है।संस्था के अध्यक्ष रूहानी आनंद ने कहा कि समाज सेवा मानवता के लिए एक महत्वपूर्ण कार्य है। यह मानवीय संबंधों को मजबूत बनाती है और समृद्ध समाज की नींव होती है। समाज सेवा के माध्यम से हम दूसरों की मदद करके, गरीबों की सहायता करके, बीमारों की देखभाल करके और शिक्षा के अवसरों को पहुंचाकर समाज को समृद्ध बनाते हैं एक सपना ऐसा भी चैरिटेबल ग्रुप समाज के जरूरतमंद एवं वंचित वर्ग के लोगों की सहायता हेतु निरंतर कार्यरत है। संस्था समय-समय पर भोजन वितरण, लस्सी/शरबत सेवा, स्वास्थ्य जागरूकता, शिक्षा सहायता एवं अन्य हमारा उद्देश्य समाज में प्रेम, सहयोग और मानवता की भावना को बढ़ावा देना है। संस्था के सभी सदस्य अंकिता गोयल, नमीषा शर्मा, राशि रमन एवं गगन वालिया निस्वार्थ भाव से समाज सेवा में अपना योगदान दे रहे हैं।

एडीए की परीक्षा 5 जुलाई को, परीक्षा से सम्बन्धित तैयारियों की करी उपायुक्त ने समीक्षा

कुरुक्षेत्र, 25 जून (बृज मोहन) उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि आगामी 5 जुलाई को हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन द्वारा जिले के 38 परीक्षा केंद्रों पर एडीए की परीक्षा आयोजित की जाएगी, जिसमें कुल 10620 परीक्षार्थी शामिल होंगे। उपायुक्त ने कहा कि परीक्षा को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाया जाएगा।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा लघु सचिवालय के सभागार में एडीए की परीक्षा से सम्बन्धित अधिकारियों की, सुपरवाईजरों की और केन्द्र अधीक्षकों की बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि परीक्षा के सफल संचालन के लिए सुरक्षा, यातायात, स्वास्थ्य सेवाओं, निर्बाध बिजली आपूर्ति तथा परीक्षार्थियों की सुविधाओं से संबंधित सभी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए तथा सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करें।

उन्होंने कहा कि जिला परिषद सीईओ विरेन्द्र चौधरी को परीक्षा का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। परीक्षा प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी। यह परीक्षा कुरुक्षेत्र जिले के अलावा पंचकूला व करनाल में भी आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा से सम्बन्धित आगामी 3 जुलाई को सम्बन्धित अधिकारियों और कर्मचारियों की बैठक आयोजित की जाएगी। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य परीक्षा को पूरी पारदर्शिता, सुरक्षा एवं व्यवस्थित वातावरण में संपन्न कराना है, ताकि सभी परीक्षार्थी बिना किसी परेशानी के परीक्षा दे सकें। इस मौके पर एसडीएम अमन कुमार, नगराधीश आशीष कुमार सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी को मिल सकता है दूसरा एक्सटेंशन

नायब सरकार ने केंद्र को भेजा प्रस्ताव

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
25 जून (एएम नाथ)

हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी को दूसरा सेवा विस्तार मिलने की संभावना ने राज्य की नौकरशाही में नई चर्चाओं और संभावित प्रशासनिक समीकरणों को जन्म दे दिया है।

राज्य सरकार ने उनके सेवा विस्तार के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेज दिया है। अब फैसला केंद्र के स्तर पर होना है कि उन्हें तीन माह का विस्तार दिया जाता है या फिर एक वर्ष का। यदि उन्हें एक और साल का सेवा विस्तार मिलता है तो वे जून 2028 तक मुख्य सचिव पद पर बने रह सकते हैं।

यह निर्णय केवल एक अधिकारी के कार्यकाल तक सीमित नहीं माना जा रहा, बल्कि इसका असर आने वाले वर्षों में हरियाणा के शीर्ष प्रशासनिक ढांचे पर पड़ सकता है। ऐसा होने पर हरियाणा में पहली बार किसी मुख्य सचिव को लगातार दूसरा सेवा विस्तार मिलेगा। साथ ही अगले दो वर्षों में सेवानिवृत्त होने वाले कई वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के लिए राज्य के सर्वोच्च प्रशासनिक पद तक पहुंचने की संभावनाएं भी काफी हद तक सीमित हो सकती हैं। हरियाणा सरकार ने केंद्र के समक्ष प्रशासनिक निरंतरता को प्रमुख आधार बनाया है। सरकार का तर्क है कि डिजिटल प्रशासन, पेपरलेस रजिस्ट्री, निवेश परियोजनाएं, वित्तीय प्रबंधन, ई-गवर्नेंस तथा विभिन्न सुधार कार्यक्रमों के बीच नेतृत्व परिवर्तन से कार्यों की गति प्रभावित हो सकती है। सरकार के भीतर यह भी माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री कार्यालय और मुख्य सचिव कार्यालय के बीच बेहतर समन्वय को देखते हुए अनुराग रस्तोगी की भूमिका फिलहाल महत्वपूर्ण बनी हुई है।

दूसरी ओर, संभावित सेवा विस्तार का सबसे बड़ा प्रभाव उन वरिष्ठ अधिकारियों पर पड़ सकता है जिन्हें आने वाले समय में मुख्य सचिव पद के दावेदारों के रूप में देखा जा रहा था। 1990 बैच के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल इसी वर्ष 30 नवंबर को सेवानिवृत्त होंगे, जबकि इसी बैच की वरिष्ठ अधिकारी डॉ. सुमिता मिश्रा जनवरी 2027 में रिटायर होंगी। परिवहन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजा शेखर वुंडरू अगले माह जुलाई में सेवा से निवृत्त हो जाएंगे। ऐसे में शीर्ष पद तक पहुंचने का अवसर इन अधिकारियों के लिए सीमित हो सकता है।

पासपोर्ट बनवाना हुआ महंगा, सरकार ने विभिन्न सेवाओं की फीस में की बढ़ोतरी

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
25 जून (पुनीत महाजन)

विदेश यात्रा, शिक्षा, रोजगार और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए पासपोर्ट बनवाने की योजना बना रहे लोगों के लिए अब अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ेगा। केंद्र सरकार ने पासपोर्ट और उससे संबंधित विभिन्न सेवाओं की फीस में बढ़ोतरी कर दी है। नई दरों के लागू होने के बाद सामान्य, तत्काल तथा खोए या क्षतिग्रस्त पासपोर्ट को दोबारा जारी करवाने के लिए पहले की तुलना में अधिक शुल्क देना होगा।

नई दरों के अनुसार 36 पेज की सामान्य पासपोर्ट बुकलेट की फीस 1,500 रुपये से बढ़ाकर 2,500 रुपये कर दी गई है, जबकि 60 पेज की बुकलेट के लिए अब 3,500 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है, जो पहले 2,000 रुपये था।

तत्काल (तेज सेवा) पासपोर्ट के लिए भी शुल्क में वृद्धि की गई है। अब 36 पेज की तत्काल पासपोर्ट बुकलेट के लिए 5,000 रुपये और 60 पेज की बुकलेट के लिए 6,000 रुपये शुल्क देना होगा।

इसके अलावा, खोए, चोरी हुए अथवा खराब हो चुके पासपोर्ट को दोबारा जारी करवाने के लिए भी शुल्क बढ़ाया गया है। 36 पेज की बुकलेट के लिए सामान्य श्रेणी में 5,000 रुपये और तत्काल सेवा में 7,500 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। वहीं, 60 पेज की बुकलेट के लिए सामान्य श्रेणी में 6,000 रुपये तथा तत्काल सेवा के लिए 8,500 रुपये शुल्क देना होगा।

सरकार ने पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट (PCC) और सरेंडर सर्टिफिकेट जैसी अन्य सेवाओं की फीस भी 750 रुपये तय की है।

हालांकि सरकार ने कुछ वर्गों को राहत भी प्रदान की है। 8 वर्ष तक के बच्चों और 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को नए पासपोर्ट आवेदन पर 10 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

पासपोर्ट आवेदकों को सलाह दी गई है कि आवेदन करने से पहले नई शुल्क दरों की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें, ताकि आवेदन प्रक्रिया के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

निर्जला एकादशी पर मनीमाजरा में जगह-जगह लगी मीठे पानी की छबील, श्रद्धालुओं ने सेवा कार्यों में बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

» प्रथम न्यूज । मनीमाजरा, चंडीगढ़
25 जून (पुनीत महाजन)

निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर मनीमाजरा सेक्टर-13 सहित विभिन्न क्षेत्रों में धार्मिक आस्था और सेवा भावना का सुंदर संगम देखने को मिला। इस अवसर पर सार्वजनिक स्थानों तथा मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की गई और श्रद्धालुओं के लिए मीठे पानी की छबीलें लगाई गईं।

सुबह से शुरू हुए इन सेवा कार्यों का सिलसिला दोपहर बाद तक चलता रहा। विभिन्न स्थानों पर आयोजित छबीलों में सैकड़ों लोगों ने पहुंचकर ठंडे मीठे जल, जलजीरा, हलवा, छोले, बिस्कुट, खरबूजा और छोले-कुलचे सहित अन्य प्रसाद ग्रहण किया। हर छबील पर लोगों की भारी भीड़ दिखाई दी।

मनीमाजरा के विश्वकर्मा मंदिर परिसर में मंदिर कमेटी द्वारा विशेष आयोजन किया गया, जिसमें प्रधान देवीलाल धीमान के नेतृत्व में कमेटी के सदस्यों और सेवादारों ने पूरी श्रद्धा एवं समर्पण के साथ सेवा निभाई। वहीं मनीमाजरा हाउसिंग कॉम्प्लेक्स स्थित प्राचीन ठाकुर द्वारा शिव मंदिर में भी विशेष धार्मिक कार्यक्रम एवं सेवा आयोजन किया गया।

इन कार्यक्रमों में मंदिर कमेटियों के सदस्यों के अलावा मनीमाजरा ईडब्ल्यूएस रेजिडेंस वेलफेयर एसोसिएशन के चेयरमैन सुभाष धीमान, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजबीर सिंह भारतीय, समाजसेवी पं. प्रदीप गौतम, गुलशन कुमार, मोहसिन सलमानी, शाम सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इस अवसर पर राजबीर सिंह भारतीय ने कहा कि निर्जला एकादशी जैसे पर्व हमें धर्म के साथ-साथ मानव सेवा, आपसी भाईचारे और समाज के प्रति जिम्मेदारी का संदेश देते हैं। मनीमाजरा के लोगों ने जिस प्रकार मिल-जुलकर सेवा कार्यों में भाग लिया, वह क्षेत्र की सामाजिक एकता और संस्कारों को दर्शाता है। उन्होंने सभी मंदिर कमेटियों, समाजसेवियों और सेवा में जुटे लोगों का धन्यवाद किया तथा भविष्य में भी ऐसे जनहित कार्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

चंडीगढ़ सेक्टर-17 में अवैध पार्किंग के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई सराहनीय, कबाड़ और लावारिस वाहनों को हटाने की भी उठी मांग

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
25 जून (पुनीत महाजन)

सेक्टर-17 स्थित डीसी कार्यालय, स्टेट लाइब्रेरी, सब-रजिस्ट्रार कार्यालय और तहसील कार्यालय के सामने अवैध पार्किंग के खिलाफ आज ट्रैफिक पुलिस द्वारा चलाया गया विशेष अभियान आम जनता के लिए बड़ी राहत साबित हुआ। ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों ने सड़क किनारे गलत तरीके से खड़े वाहनों के चालान किए और लोगों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया।

गौरतलब है कि सेक्टर-17 स्थित सब-रजिस्ट्रार एवं तहसील कार्यालय में प्रतिदिन लगभग 700 से 800 लोग रजिस्ट्री, मैरिज सर्टिफिकेट तथा अन्य सरकारी कार्यों के लिए आते हैं। सड़क पर बेतरतीब ढंग से खड़े वाहनों के कारण यहां आने वाले लोगों को पैदल चलने, वाहन पार्क करने और आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। कई बार स्थिति ऐसी हो जाती थी कि वाहनों को मोड़ने में भी लंबा समय लग जाता था और पूरे क्षेत्र में जाम जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाती थी। स्थानीय लोगों और कार्यालयों में आने वाले नागरिकों ने ट्रैफिक पुलिस की इस कार्रवाई का स्वागत करते हुए इसे एक सकारात्मक

और जनहितकारी कदम बताया है। लोगों का कहना है कि ऐसे अभियान नियमित रूप से चलाए जाने चाहिए ताकि सेक्टर-17 में यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे। इसके साथ ही प्रशासन से यह भी मांग की गई है कि सेक्टर-17 तहसील कार्यालय के सामने वर्षों से खड़े कंडम, कबाड़ और लावारिस वाहनों का सर्वे कराया जाए तथा उन्हें तत्काल प्रभाव से हटाया जाए। इन वाहनों के कारण न केवल पार्किंग की समस्या बढ़ रही है, बल्कि आम लोगों को भी अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नागरिकों ने प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस से अपील की है कि अवैध पार्किंग पर सख्ती के साथ-साथ स्थायी समाधान की दिशा में भी ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि सेक्टर-17 आने वाले हजारों लोगों को बेहतर और सुगम यातायात सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

धार्मिक नगरी पिहोवा से हरिद्वार के लिए स्पेशल एयर कंडीशनर शुरू की बसःजय भगवान शर्मा

» प्रथम न्यूज । पिहोवा
25 जून (मुकेश डोलिया)

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता जय भगवान शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है,भाजपा सरकार में चारों तरफ समान रूप से विकास हो रहा है। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता जय भगवान शर्मा वीरवार को पिहोवा के बस स्टैंड पर पिहोवा से हरिद्वार के लिए चलाई गई स्पेशल एयर कंडीशनर बस को हरी झंडी देने उपरांत आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। इससे पहले हरियाणा राज्य परिवहन कुरुक्षेत्र के जीएम समेन्द्र सिंह ने भाजपा के वरिष्ठ नेता जय भगवान शर्मा का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार चहुंमुखी विकास पथ पर है और हरियाणा की सभी विधानसभाओं में समान रूप से विकास कार्य करवाए जा रहे है। उन्होंने कहा कि पिहोवा विधानसभा के श्रद्धालुओं को हरिद्वार में गंगा स्नान के लिए एयर कंडीशनर बस को शुरू किया गया है। इससे आमजन को सुविधा मिलेगी और यात्रा आसान होंगी और गंगा स्नान के लिए श्रद्धालु जा सकते हैं।

हरियाणा राज्य परिवहन कुरुक्षेत्र के जीएम समेन्द्र सिंह ने कहा कि आमजन की सुविधाओं को देखते हुए पिहोवा से हरिद्वार के लिए सुबह 7:40 पर प्रतिदिन रवाना होगी। यह बस वाया कुरुक्षेत्र, पिपली,लाडवारादौरयमुनानगर,सहारनपुर, रुड़की से होते हुए हरिद्वार पहुंचेगी। हरिद्वार से पिहोवा के लिए यह बस दोपहर 2:20 पर रवाना होगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा के वरिष्ठ नेता जय भगवान शर्मा ने पिहोवा से दिल्ली के लिए भी एयर कंडीशनर बस को हरी झंडी देकर भी रवाना किया है। यह बस पिहोवा से सुबह 8:10 पर दिल्ली के लिए रवाना होगी यह बस वाया ढांड ,कौल, सीतामाई, काछवा, करनाल,पानीपत,सोनीपत से होते हुए दिल्ली पहुंचेगी। इसके अलावा पिहोवा बस अड्डे से मां वैष्णो देवी जम्मू कटरा, दिल्ली और चंडीगढ़, सहित अन्य कई लंबे रूट पर रोडवेज की बसें रोजाना हजारों यात्रियों को यात्रा करवा रही है। इस अवसर पर संस्थान प्रबंधन जोगिंदर सिंह, डिपो प्रबंधक विनोद शर्मा,बैकंठ शर्मा, ईश्वर सिंह डीआई, विनोद शर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष, हरिओम अग्रवाल, खेल प्रकोष्ठ जिला संयोजक राकेश पुरोहित, मंडी प्रधान नवीन गर्ग, महेश तलवाड़, हन्नु चक्रपाणि अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे

आपातकाल लोकतंत्र का काला अध्याय, इसे कभी भुलाया नहीं जा सकता : विधायक सतपाल जाम्बो

लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष को किया नमन, युवाओं से इतिहास जानने का किया आह्वान

» प्रथम न्यूज । कैथल
25 जून (कृष्ण गर्ग)

आपातकाल की 51वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में पुंडरी के विधायक सतपाल जाम्बा ने लोकतंत्र सेनानियों को नमन करते हुए कहा कि 25 जून 1975 का दिन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय था। उन्होंने कहा कि इस दिन देश में आपातकाल लागू कर लोकतांत्रिक संस्थाओं, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों पर गंभीर प्रहार किया गया था।

विधायक सतपाल जाम्बा ने कहा कि आपातकाल केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं था, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था और संविधान की मूल भावना पर सीधा हमला था। उस दौर में प्रेस पर सेंसरशिप लगाई गई, विपक्षी नेताओं, पत्रकारों, छात्रों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को जेलों में डाला गया तथा सरकार के खिलाफ आवाज उठाना

भी कठिन बना दिया गया था।

अपने संबोधन में विधायक जाम्बा ने कहा कि लोकतंत्र में सरकार जनता की सेवक होती है, मालिक नहीं। सत्ता का उद्देश्य जनसेवा होना चाहिए, दमन नहीं। आपातकाल हमें यह सीख देता है कि लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए सदैव सजग रहना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी जागरूक जनता है। वर्ष 1977 के चुनाव में देशवासियों ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर यह सिद्ध कर दिया था कि लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता का होता है। यही भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है। विधायक सतपाल जाम्बा ने लोकतंत्र सेनानियों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि उन्होंने जेल की यातनाएं और कठिनाइयां झेली, उनके संघर्ष और बलिदान की बदौलत आज देशवासी अपने अधिकारों का स्वतंत्र रूप से उपयोग कर पा रहे हैं।

उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि नई पीढ़ी ने आपातकाल का दौर नहीं देखा है, इसलिए उन्हें इसके इतिहास और लोकतंत्र की रक्षा के लिए किए गए संघर्षों के बारे में जानना चाहिए। लोकतंत्र केवल संविधान में लिखे शब्दों से नहीं, बल्कि उसे बचाने वाले लोगों के त्याग और संघर्ष से मजबूत होता है। विधायक ने कहा कि आज भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। जनभागीदारी, पारदर्शिता, संविधान का सम्मान और जनता के प्रति जवाबदेही ही लोकतंत्र की असली पहचान है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में कोई भी लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ खिलवाड़ न कर सके।उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी राष्ट्र प्रथम, संविधान सर्वोपरि और जनता सर्वश्रेष्ठ की भावना के साथ कार्य करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र के साथ आगे बढ़ रहा है और लोकतांत्रिक व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जा रहा है।

युवा पीढ़ी को आपातकाल की सच्चाई जानना जरूरी : संजय टंडन

कहा, 25 जून 1975 लोकतंत्र की हत्या का सबसे काला अध्याय था

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
25 जून (पुनीत महाजन)

संविधान हत्या दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी चंडीगढ़ प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा नेताओं ने 25 जून 1975 को लगाए गए आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र का सबसे काला अध्याय बताया। प्रेस कॉन्फ्रेंस को भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं हिमाचल प्रदेश के सह-प्रभारी संजय टंडन तथा चंडीगढ़ प्रदेश अध्यक्ष जतिंदर पाल मल्होत्रा ने संबोधित किया।

संजय टंडन ने कहा कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने सत्ता बचाने के लिए देश पर आपातकाल थोपकर संविधान, लोकतंत्र और नागरिक स्वतंत्रताओं का गला घोंट दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि उस दौरान लाखों राजनीतिक कार्यकर्ताओं, पत्रकारों, छात्रों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को जेलों में बंद किया गया तथा विरोध की हर आवाज को दबाने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि प्रेस पर कड़ी सेंसरशिप लगाई गई और समाचार प्रकाशित करने से पहले सरकारी अनुमति अनिवार्य कर दी गई थी।

टंडन ने आपातकाल के दौरान चलाए गए नसबंदी अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रशासनिक दबाव और सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग से लाखों लोगों को प्रभावित किया गया। उन्होंने कहा कि यह नागरिक अधिकारों और मानवीय गरिमा के विरुद्ध था। उन्होंने जोर देकर कहा कि नई पीढ़ी को उस दौर की वास्तविकता से अवगत कराना आवश्यक है, ताकि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के प्रति जागरूकता बनी रहे। इस अवसर पर जतिंदर पाल मल्होत्रा ने कहा कि आपातकाल भारतीय संविधान पर लगा एक ऐसा कलंक था जिसने लोकतांत्रिक व्यवस्था को गहरी चोट पहुंचाई। उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक परंपराओं की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि संविधान हत्या दिवस का उद्देश्य युवाओं और आम नागरिकों को आपातकाल की सच्चाई से परिचित कराना तथा लोकतंत्र की रक्षा के प्रति समाज को जागरूक बनाना है।

आज का

संपादकीय

पासपोर्ट नहीं तो क्या है नागरिकता का असली प्रमाण ?

विदेश मंत्रालय द्वारा हाल ही में दिए गए उस स्पष्टीकरण ने व्यापक चर्चा को जन्म दिया है, जिसमें कहा गया कि पासपोर्ट मुख्य रूप से यात्रा संबंधी दस्तावेज है और इसे भारतीय नागरिकता का अंतिम प्रमाण नहीं माना जा सकता। यह स्पष्टीकरण इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि आम जनता के बीच लंबे समय से यह धारणा बनी हुई थी कि पासपोर्ट किसी व्यक्ति की नागरिकता का सबसे मजबूत और विश्वसनीय प्रमाण होता है। हालांकि कानूनी दृष्टि से स्थिति कुछ अलग है। पासपोर्ट अधिनियम में स्पष्ट रूप से यह नहीं कहा गया कि पासपोर्ट नागरिकता का अंतिम प्रमाण पत्र है। विशेष परिस्थितियों में कुछ गैर-भारतीय नागरिकों को भी पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेज जारी किए जा सकते हैं। विभिन्न उच्च न्यायालय भी समय-समय पर यह स्पष्ट कर चुके हैं कि पासपोर्ट को नागरिकता के निर्णायक प्रमाण के रूप में नहीं देखा जा सकता।

विदेश मंत्रालय के इस स्पष्टीकरण के बाद स्वाभाविक रूप से यह प्रश्न उठ खड़ा हुआ है कि यदि पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं है, तो फिर नागरिकता सिद्ध करने के लिए कौन-सा दस्तावेज मान्य माना जाएगा? यह सवाल हाल के वर्षों में और अधिक प्रासंगिक हो गया है। कई राज्यों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान यह कहा गया कि आधार कार्ड नागरिकता का प्रमाण नहीं है। इसी प्रकार पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, मतदाता पहचान पत्र, राशन कार्ड और अन्य सामान्य सरकारी दस्तावेज भी नागरिकता के प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किए जाते। ऐसे में आम नागरिकों के सामने यह दुविधा उत्पन्न होती है कि आखिर वे अपनी नागरिकता किस आधार पर सिद्ध करें।

भारत में नागरिकता का निर्धारण नागरिकता अधिनियम, 1955 के प्रावधानों के अनुसार किया जाता है। यह अधिनियम जन्म, वंश, पंजीकरण, देशीयकरण तथा कुछ विशेष परिस्थितियों के आधार पर नागरिकता प्रदान करने की व्यवस्था करता है। किंतु एक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि भारत में अधिकांश नागरिकों को कोई अलग और स्पष्ट नागरिकता प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाता। यही कारण है कि नागरिकता के प्रश्न पर अक्सर भ्रम और विवाद की स्थिति बन जाती है।

विश्व के अनेक विकसित और विकासशील देशों में नागरिकों को उनकी नागरिकता का स्पष्ट और अलग प्रमाण उपलब्ध कराया जाता है।

इससे नागरिकों को बार-बार विभिन्न दस्तावेज प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं पड़ती तथा सरकारी एजेंसियों के लिए भी पहचान और सत्यापन की प्रक्रिया सरल हो जाती है। भारत जैसे विशाल देश में, जहां जनसंख्या 140 करोड़ से अधिक है, नागरिकता संबंधी स्पष्ट दस्तावेज की अनुपस्थिति कई प्रशासनिक और कानूनी चुनौतियां पैदा कर सकती है।

नागरिकता अधिनियम में यह प्रावधान मौजूद है कि केंद्र सरकार देश के प्रत्येक नागरिक का अनिवार्य पंजीकरण कर सकती है, राष्ट्रीय पहचान पत्र जारी कर सकती है तथा राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) तैयार कर सकती है। यदि इन प्रावधानों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए, तो नागरिकता से जुड़े अधिकांश विवादों का समाधान संभव है। एक सुव्यवस्थित राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर न केवल नागरिकों की पहचान सुनिश्चित करेगा, बल्कि सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, सुरक्षा प्रबंधन और प्रशासनिक पारदर्शिता को भी मजबूत करेगा। अतीत में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर तैयार करने और आधार जैसी पहचान प्रणालियों को उससे जोड़ने की दिशा में प्रयास किए गए थे। हालांकि विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक और प्रशासनिक कारणों से ये प्रयास अपेक्षित परिणाम तक नहीं पहुंच सके। बाद में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) लागू होने के समय भी एनआरसी को लेकर व्यापक बहस हुई। समर्थकों का मानना था कि एनआरसी नागरिकों और अवैध प्रवासियों के बीच स्पष्ट अंतर स्थापित करने में मदद करेगा, जबकि विरोधियों ने इसके संभावित प्रभावों को लेकर चिंताएं व्यक्त कीं। इस विवाद और दुष्प्रचार के कारण राष्ट्रीय स्तर पर एनआरसी लागू करने की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी।

वर्तमान में केवल असम ऐसा राज्य है, जहां राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर तैयार करने की प्रक्रिया पूरी की गई। हालांकि वहां भी अंतिम सूची और उससे संबंधित कई मुद्दों पर बहस जारी रही।

इसके बावजूद यह अनुभव यह दर्शाता है कि नागरिकों का एक व्यवस्थित रजिस्टर तैयार करना तकनीकी रूप से संभव है। आवश्यकता केवल इस बात की है कि ऐसी किसी भी पहल को पारदर्शी, निष्पक्ष और संवेदनशील तरीके से लागू किया जाए, ताकि किसी भी नागरिक के अधिकार प्रभावित न हों। आज जब डिजिटल शासन, ई-गवर्नेंस और पहचान आधारित सेवाओं का विस्तार तेजी से हो रहा है, तब नागरिकता के स्पष्ट और प्रमाणित दस्तावेज की आवश्यकता पहले से अधिक महसूस की जा रही है। इससे न केवल नागरिकों को सुविधा मिलेगी, बल्कि सरकारी संस्थाओं के लिए भी विभिन्न प्रक्रियाओं को सरल और विश्वसनीय बनाना संभव होगा। इसके अतिरिक्त अवैध घुसपैठ, फर्जी पहचान, दस्तावेजों के दुरुपयोग और अन्य सुरक्षा संबंधी चुनौतियों से निपटने में भी सहायता मिलेगी।

समय की मांग है कि नागरिकता से जुड़े मौजूदा भ्रम को दूर करने के लिए व्यापक राष्ट्रीय चर्चा हो। सरकार, नीति-निर्माताओं, विशेषज्ञों और नागरिक समाज को मिलकर ऐसा समाधान तलाशना चाहिए, जिससे प्रत्येक भारतीय नागरिक के पास अपनी नागरिकता का स्पष्ट, विश्वसनीय और सर्वमान्य प्रमाण उपलब्ध हो।

इससे न केवल प्रशासनिक व्यवस्था मजबूत होगी, बल्कि नागरिकों का विश्वास भी बढ़ेगा। नागरिकता किसी भी व्यक्ति की पहचान और अधिकारों का मूल आधार है, इसलिए उसके प्रमाण की व्यवस्था भी उतनी ही स्पष्ट, पारदर्शी और प्रभावी होनी चाहिए।

अपने ही काम आएंगे, गैर तमाशा देखेंगे

नरेन्द्र भारती
वरिष्ठ पत्रकार

जिंदगी का सबसे कड़वा और सबसे सच अनुभव यही है कि जब समय बिगड़ता है तो अपने ही हाथ पकड़ते हैं, और गैर किनारे खड़े होकर तमाशा देखते हैं। कोई अफसोस जताता है, कोई सिर हिलाकर निकल जाता है, कोई पीठ पीछे बातें बनाता है, और कोई खुलकर हंसता है। यह सुनने में कठोर लगता है, पर जिसने भी एक बार मुसीबत देखी है, वह जानता है कि यही हकीकत है।

जब सब ठीक चल रहा होता है तो रिश्तेदारों की लाइन लग जाती है। फोन पर फोन आते हैं, घर में मेहमानों का तांता लगा रहता है, दावतों में सबसे आगे तुम्हारा नाम होता है। लोग कहते हैं कि तुमसे मिलकर दिन बन गया, तुम्हारी तरक्की देखकर खुशी हुई। लगता है जैसे पूरी दुनिया तुम्हारी है, जैसे हर चेहरा तुम्हारा अपना है। पर जैसे ही पैर फिसला, जैसे ही जेब खाली हुई, जैसे ही नाम पर एक दाग लगा, वैसे ही वही फोन शांत हो जाते हैं। वही रास्ते बदल जाते हैं। वही चेहरे अजनबी लगने लगते हैं।

अपनों का मतलब सिर्फ खून का रिश्ता नहीं होता। अपना वह होता है जो तुम्हारे गिरने पर उठाने आए। जो तुम्हारी हार पर तुम्हारे साथ बैठे, तुम्हारी जीत पर बिना जलन के खुश हो। अपना वह होता है जो तुम्हारी कमजोरी जानकर भी तुम्हें कमजोर न समझे। जो तुम्हारी इज्जत को अपनी इज्जत समझे। ऐसा आदमी अगर जीवन में एक भी मिल जाए तो अकेलापन खत्म हो जाता है। वह एक आदमी पूरी दुनिया के बराबर हो जाता है। गैर का काम तमाशा देखना है। यह उनका स्वभाव है, इसमें बुराई मत ढूंढो। आदमी दूसरे की तकलीफ में इसलिए दिलचस्पी लेता है क्योंकि उससे उसे अपनी तकलीफ हल्की लगने लगती है। कोई गिरे तो उसे लगता है चलो मैं तो खड़ा हूँ। कोई फंसे तो उसे लगता है चलो मेरी जिंदगी ठीक है। यह मानवीय कमजोरी है। पर इसी कमजोरी पर भरोसा करके बैठ जाओ तो टूट जाओगे। गैर कभी तुम्हारा बोझ नहीं उठाएगा। वह बस देखेगा कि तुम कितनी देर तक गिरे रहते हो। गांव में बुजुर्ग कहते थे कि आग लगने पर पड़ोसी बाल्टी भरकर पानी तो डाल देता है, पर घर फिर से खड़ा करने वाला अपना ही होता है। पड़ोसी की मदद थोड़ी देर की होती है। वह आग बुझाकर चला जाएगा। पर घर की नींव फिर से रखने के लिए तुम्हें खुद मेहनत करनी पड़ेगी, या अपनों को साथ लेना पड़ेगा। बाहर वाले सिर्फ सलाह देंगे, आलोचना करेंगे, पर ईंट नहीं उठाएंगे।

आजकल सोशल मीडिया ने इस तमाशे को और बड़ा कर दिया है। किसी की असफलता, किसी की बेइज्जती, किसी का निजी वीडियो लीक हो जाए तो लोग उसे वायरल करने में लग जाते हैं। कमेंट में लोग मजाक उड़ाते हैं, मीम बनाते हैं, हंसी उड़ाते हैं। कोई नहीं सोचता कि जिस पर बीत रही है, उसके दिल पर क्या गुजर रही होगी। गैर के लिए यह मनोरंजन है, अपने के लिए यह जख्म है। और यह जख्म जल्दी नहीं भरता।

इसलिए अपनी जिंदगी को इतना खुला मत छोड़ो कि हर कोई उसमें झांक सके। अपनी कमजोरी सबको मत बताओ। अपनी परेशानी का रोना हर गली में मत रोओ। क्योंकि गैर उसे हथियार बना लेगा। वह तुम्हारी बात को तोड़-मरोड़कर तुम्हारे खिलाफ ही इस्तेमाल करेगा। जो आज सहानुभूति जता रहा है, वही कल तुम्हारी कमजोरी पर उंगली उठाएगा।

मुसीबत में सबसे पहले अपना ही साथ देता है। मां की गोद, पिता का सहारा, भाई का कंधा, बहन की दुआ, पत्नी का भरोसा। ये वही लोग हैं जो तुम्हारे गिरने पर भी तुम्हें छोड़कर नहीं जाते। भले ही गुस्सा करें, डांटें, तुम्हें खरी-खोटी सुनाएं, पर छोड़ें नहीं। क्योंकि उनका नुकसान तुम्हारे नुकसान से जुड़ा है। उनका मान तुम्हारे मान से जुड़ा है। उनका सपना तुम्हारे सपने से बंधा है।

दोस्ती भी तभी सच्ची लगती है जब वह मुसीबत में काम आए। दोस्ती के नाम पर हंसी-मजाक करने वाले तो बहुत मिलते हैं। पर रात को दो बजे फोन उठाकर कहने वाले कि बोल क्या हुआ, ऐसे दोस्त कम होते हैं। ऐसे दोस्त मिलें तो उन्हें संभालकर रखो। क्योंकि वही गैर की भीड़ में तुम्हारे अपने बन जाते हैं। वही तुम्हारी गैरहाजिरी में तुम्हारी इज्जत बचाते हैं। वही तुम्हारी पीठ पीछे तुम्हारी तारीफ करते हैं।

एक और बात समझनी चाहिए। अपने भी हमेशा साथ नहीं देते, अगर तुम खुद अपने साथ न हो। अगर तुमने खुद हार मान ली, खुद को कमजोर मान लिया, खुद कोसना शुरू कर दिया, तो कोई कितना भी चाहे, तुम्हें बचा नहीं सकता। अपना साथ तभी काम आता है जब तुम खुद खड़े होने की कोशिश करो। मदद वही मिलती है जो हाथ बढ़ाने पर मिले। जो हाथ जोड़कर बैठ जाए, जिसके चेहरे पर निराशा लिखी हो, उसके लिए कोई कुछ नहीं कर सकता।

गैर का तमाशा देखना भी एक सबक है। जब तुम देखोगे कि मुसीबत में लोग कैसे बदल जाते हैं, तो तुम्हें समझ आएगा कि किस पर भरोसा करना है और किस पर नहीं। यह समझ जीवन का सबसे बड़ा अनुभव है। धोखा खाकर आदमी सीखता है कि किसके सामने दिल खोलना है और किसके सामने चुप रहना है। कौन सच्चा है और कौन मौके का फायदा उठाने वाला।

समाज में एक बीमारी है कि लोग दूसरों की असफलता पर खुश होते हैं। इसे जलन कहते हैं। जलन का इलाज कोई दवा नहीं है। इसका इलाज सिर्फ यही है कि तुम अपने काम में लगे रहो। इतना आगे बढ़ो कि गैर की नजरें तुम्हारी तरफ उठें, पर हाथ न पहुंचें। जब तुम इतने मजबूत हो जाओगे तो वही गैर तुम्हारे दरवाजे पर खड़े होंगे। तब तुम तय करोगे कि उन्हें अंदर बुलाना है या नहीं। तब तुम समझ पाओगे कि इज्जत ताकत से आती है, चापलूसी से नहीं।

इतिहास में देखो। बड़े-बड़े लोगों के साथ भी यही हुआ। जब वे ऊंचाई पर थे तो तालियां बजती थीं। जब गिरे तो वही लोग पत्थर फेंकने लगे। पर जिन्होंने अपने दम पर फिर से खड़े होने की कोशिश की, उनके साथ उनके अपने खड़े हुए। गांधी को जेल हुई तो कस्तूरबा साथ थीं। नेहरू जेल गए तो कमला साथ थीं। अंबेडकर को समाज ने ठुकराया तो उनके साथियों ने साथ नहीं छोड़ा। रामायण में राम वनवास गए तो लक्ष्मण और हनुमान साथ थे। महाभारत में पांडव जंगल गए तो कृष्ण साथ थे। यही फर्क है अपने और गैर में।

आज युवा पीढ़ी सबसे ज्यादा इस भ्रम में है कि दोस्तों की भीड़ ही सब कुछ है। हजार फॉलोअर, सैकड़ों लाइक, कमेंट में वाह-वाह। पर जब एक मैसेज करके मदद मांगो तो जवाब नहीं आता। क्योंकि वह भीड़ तमाशा देखने वाली है। वह तुम्हारे साथ खड़े होने वाली नहीं। वह तुम्हारी सफलता पर ताली बजाएगी, पर तुम्हारी असफलता पर मुंह मोड़ लेगी। इसलिए भीड़ के पीछे मत भागो। एक-दो सच्चे रिश्ते बनाओ। वही काम आएंगे। वही तुम्हारी असली पूंजी हैं।

अपनों को पहचानने का सबसे आसान तरीका है। मुसीबत में एक मैसेज करो। जो तुरंत जवाब दे, जो बिना वजह पूछे कि क्या हुआ, वही अपना है। जो देखकर भी अनदेखा कर दे, जो बहाना बनाए, वही गैर है। और गैर से नाराज मत हो। वह अपना काम कर रहा है। उसका काम तमाशा देखना है। तुम्हारा काम खड़े होना है। नाराजगी में ऊर्जा मत बर्बाद करो। उस ऊर्जा को अपने काम में लगाओ। एक बात और। कई बार हम खुद ही गैर बन जाते हैं। अपने भाई से झगड़ा हो गया, बाप से बोलचाल बंद हो गई, दोस्त से मनमुटाव हो गया। और फिर कहते हैं कि मुसीबत में कोई साथ नहीं देता। पहले अपने घर के रिश्ते तो संभालो। अगर घर में दरार होगी तो बाहर से कोई दरवाजा नहीं थामेगा। घर मजबूत होगा तो बाहर की आंधी भी कुछ नहीं बिगाड़ेगी। घर टूटा होगा तो बाहर वाले तोड़ने में देर नहीं लगाएंगे।

इसलिए जीवन में दो काम जरूरी हैं। पहला, अपने रिश्तों को मजबूत रखो। छोटी-छोटी बातों पर अपनों से मुंह मत मोड़ो। ईगो को बीच में मत लाओ। क्योंकि वही मुंह मुसीबत में तुम्हारे काम आएंगे। दूसरा, खुद इतना मजबूत बनो कि अगर कोई साथ न दे तो भी तुम खड़े रह सको। आत्मनिर्भरता सबसे बड़ी ताकत है। जब तुम खुद खड़े होगे तो लोग खुद-ब-खुद साथ आने लगेंगे।

गैर का तमाशा देखना बुरा नहीं है। बुरा यह है कि तुम उस तमाशे का हिस्सा बन जाओ। जब तुम दूसरों की मुसीबत पर हंसते हो, तो तुम भी गैर बन जाते हो। और जब तुम गैर बन जाते हो, तो तुम्हारे अपने भी कम होने लगते हैं। क्योंकि दुनिया देखती है कि तुम किस तरह के इंसान हो। तुम जैसा व्यवहार करोगे, वैसा ही लौटकर आएगा। इसलिए याद रखो। गिरोगे तो गैर ताली बजाएंगे। उठोगे तो अपने गले लगाएंगे। चुनाव तुम्हारे हाथ में है। तुम गिरकर वहीं पड़े रहो, या उठकर अपनों के साथ आगे बढ़ो। गिरना बुरा नहीं है। गिरकर न उठना बुरा है। और उठने के लिए सबसे पहले खुद पर भरोसा चाहिए।

दुनिया में कोई भी स्थायी नहीं है। आज जो गैर है, कल अपना बन सकता है। और आज जो अपना है, वह कल गैर बन सकता है। रिश्ते समय के साथ बदलते हैं। पर एक चीज स्थायी है। वह है तुम्हारा कर्म। अगर कर्म अच्छा है, मेहनत सच्ची है, इरादा साफ है, तो अपने भी साथ देंगे और गैर भी इज्जत करेंगे। कर्म ही वह पुल है जो तुम्हें गैरों की भीड़ से निकालकर अपनों के पास ले जाता है। एक और बात ध्यान रखो। मदद लेना कमजोरी नहीं है। पर मदद को आदत मत बनाओ। मदद को सीढ़ी बनाओ, सहारा मत बनाओ। जो मदद लेकर खड़े हो जाओगे, वही लोग फिर तुम्हारी इज्जत करेंगे। जो मदद को आदत बना लोगे, वही लोग तुम्हें कमजोर समझेंगे। फर्क सिर्फ नजरिए का है। इसलिए जिंदगी में अपनों की कदर करो। उन्हें संभालकर रखो। छोटी-छोटी बातों पर रिश्ते मत तोड़ो। क्योंकि रिश्ता टूटता है तो सालों लगते हैं जुड़ने में। और जुड़ भी जाए तो पहले वाली सहजता नहीं आती। अपनों के साथ बैठकर बात करो। मन की बात कहो। गलतफहमी को बढ़ने मत दो।

और गैरों से उम्मीद मत रखो। उनका काम तमाशा देखना है, तुम्हारा काम खड़े होना है। जब तुम खड़े हो जाओगे तो वही तमाशा देखने वाले तुम्हारे लिए ताली बजाएंगे। वही लोग तुम्हारी कहानी सुनाएंगे। वही लोग कहेंगे कि देखो, इसने कैसे किया। अंत में यही कहूंगा कि जिंदगी में दो चीजें संभालकर रखो। एक अपना दामन, दूसरा अपना दामन थामने वाले हाथ। दामन साफ रहेगा तो इज्जत बची रहेगी। और हाथ मजबूत रहेगा तो गिरने पर उठा लेगा। बाकी सब तमाशा है। तमाशा देखो, सीखो, पर उसमें उलझो मत। क्योंकि अंत में अपने ही काम आएंगे। गैर तो हमेशा तमाशा देखेंगे।

बाल भिक्षावृति कलंक और एक सवालिया निशान ?

आज के आधुनिक परिपेक्ष में बाल भिक्षावृत्ति के एक मजबूरी नहीं बल्कि समाज के माथे पर एक गहरा कलंक बन चुकी है हर शहर के चौराहे, लाल बत्ती, धार्मिक स्थलों, बाजारों और बस स्टैंड में फैले बाल भिखारी के हाथ इंसानी तरक्की को अंगूठा दिखाते और मुंह चढ़ाते हैं बाल भिक्षावृत्ति के पीछे कई सामाजिक और आर्थिक कारण गरीबी, माता-पिता की बेरोजगारी और विभिन्न बुनयादी सुविधाओं का अभाव मानवाधिकारों का हनन सीधे तौर पर देश की गरिमा को ठेस पहुंचाता है जिस देश के बच्चे हाथ में कलम थामने की उम्र में भीख का कटोरा थाम ले उसे देश का भविष्य कभी भी उज्जवल नहीं हो सकता भिक्षावृति को बढ़ावा क्यों मिल रहा है क्या कारण है

डॉ राज कुमारी
साइकोलॉजिस्ट

बाल भिक्षा मासूमों का शोषण

कलंक का काला सच यह है मासूम बच्चों का इस्तेमाल बाल भिक्षावृति के लिए किया जाता है मासूम बच्चों का अपहरण करके उन्हें अपाहिज बना कर भी भिक्षावृति के दलदल में धकेल दिया जाता है नवजात बच्चों को नशीली दवाई खिलाकर सुला दिया जाता है बीमारी का बहाना बना कर सहानुभूति बटोरी जा सके ढ्ढ

गलत धारणा

धार्मिक और सामाजिक सोच ने बाल भिक्षावृत्ति को भी बढ़ावा दिया है पुण्य कमाने और अनिष्ट से बचने के नाम पर बिना सोचे समझे भिक्षा में पैसे दे देते हैं भिक्षा देने की दया की प्रवृत्ति बच्चों के लिए एक टानिक और ऑक्सीजन का काम करती है .

बच्चों मे आलसीपन

भीख मांगने की प्रवृत्ति ने बच्चों को कर्म हिन और आलसी भी बना दिया है शिक्षा से वंचित बच्चे कही पर भी भीख मांगते दिखाई देते हैं ढ्ढ बाल भिक्षावृत्ति बच्चों के लिए कमाई का एक आसान साधन भी है

अपराध को बढ़ावा

भीख से मिलने वाले पैसे अभिवाकों के द्वारा जुए, नशे और अन्य आपराधिक गतिविधियों में खर्च होते हैं माफिया के द्वारा बच्चों को अपराध की गलियों मे धकेल दिया जाता है छोटी उम्र मे ही अपराधी का स्टिकर लगा दिया जाता है

नशे को बढ़ावा

अभिवाकों द्वारा भीख से मिलने वाले पैसे का बड़ा हिस्सा नशीले पदार्थों पर खर्च होता है भिक्षावृत्ति की आड़ में बच्चों से नशे का कारोबार भी करवाया जाता है जो नशे की प्रवृत्ति को भी बढ़ावा देती है

संगठित उेग

बाल भिक्षावृत्ति माफिया की एक सोची समझी साजिश और काला व्यवसाय बन गया है बड़े शहरों में माफिया द्वारा बाल भिक्षावृत्ति को सक्रिय किया गया है इस व्यवसाय का रूप भी दे दिया गया है

भिक्षा नहीं मदद करें

बाल भिक्षावृत्ति कर रहे बच्चों को नगद पैसे देने की अपेक्षा बच्चों को कपड़े, जूते, व जरूरत की अन्य वस्तुएं प्रदान करें बाल भिक्षावृत्ति से कमाया गया पैसा अभिभावक या माफिया के पास जाकर गलत जगह पर ही उपयोग होता है

शिक्षा को बढ़ावा

भीख देने की अपेक्षा भिक्षा वृति करने वाले अधिक से अधिक बच्चों को शिक्षा के साथ जोड़ा जाए शिक्षा एक ऐसा हथियार है जो कभी भी मुसीबत में बाल भिक्षावृत्ति कर रहे बच्चों के काम आ सकता है ।

ह्यह्यह्यपुनर्वास और कौशल विकास

भिक्षावृत्ति करने वाले बच्चे अगर वास्तव में ही मजबूर है भिक्षावृत्ति करने वाले बच्चों को सरकारी आश्रय गृहों में रखा जाए भविष्य में रोजगार के लिए उन्हें कौशल भी सिखाया जाए

भिक्षामुक्त अभियान

शिक्षा और जागरूकता का अभाव भी है अशिक्षित होने के कारण अभिभावक इससे कभी भी बाहर नहीं निकाल सकते हैं जागरूकता शिविर लगा कर अभिभावकों को भी जागरूक करना आवश्यक है

कड़े कानून का क्रियान्वन

बाल भिक्षावृत्ति के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होने चाहिए ढ्ढ विषय चिंतनीय है कड़े कानून की मदद से बाल भिक्षावृत्ति से मुक्त कराया जा सकता है आज के परिपेक्ष में बाल भिक्षावृत्ति जागरूकता और आधुनिक होने के दावों पर एक बड़ा सवालिया निशान है यह समाज के एक बड़े हिस्से में अमानवीयकरण की एक कहानी है यदि हमें एक सशक्त समृद्ध और स्वभामानी राष्ट्र का निर्माण करना है भीख देने की आदत को बदलकर सशक्त बनाने की दिशा की ओर कदम बढ़ाना होगा भीख देकर हम किसी एक किसी का एक दिन पेट भर सकते हैं लेकिन शिक्षा का हुनर देकर हम उनका पूरा जीवन भी सुधार सकते हैं बाल भिक्षावृत्ति के कलंक को खत्म करने के लिए समाज के रूप में अपनी सोच को बदलना होगा।

बच्चों के सीखने का जरिया हैं खेल

हर बचपन कुछ जानी-पहचानी आवाजों से गूंजता है। धूल भरे मैदानों पर गेंद के गिरने की धमक। तंग गलियों में दौड़ते बच्चों की हंसी। रस्सी कूदने की लय, कंचों की खनक और ढेर सारे गीत-कहानियां। खेल-खेल में बच्चों की दुनिया को समझना ही सीखने की प्रक्रिया की सबसे पहली शुरुआत है। मुझे याद है, जब मैं छोटा था, तो घंटों अपने कोच की देखरेख में खेला करता था। वे स्टंप्स पर एक रुपये का सिक्का रख देते थे और गेंदबाजों को मुझे आउट करने की चुनौती देते थे। अगर वे मुझे आउट कर देते, तो सिक्का उनका और अगर मैं नाबाद रहता, तो वह मेरा होता। वे सिक्के आज भी मेरी सबसे अनमोल धरोहर हैं। उन्होंने मुझे एकाग्रता, धैर्य और खुद को बेहतर बनाने का दृढ़ संकल्प सिखाया। स्कोरबोर्ड, बड़े स्टेडियमों और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की दुनिया में पहुंचने से बहुत पहले, मैंने खेल के जरिये ही सब कुछ सीखा। नेतृत्व को समझने से पहले मैंने टीम के साथ मिलकर काम करना सीखा। खेल में हारकर मैंने मुश्किलों से उबरना सीखा और बार-बार कोशिश करके आत्मविश्वास बढ़ाया।

दुनिया भर के लाखों बच्चों की तरह मैंने भी यह महसूस किया कि खेल सिर्फ मनोरंजन नहीं है, बल्कि यह खुद जीवन की तैयारी है। यूनिसेफ के साथ जुड़ने के बाद मुझे लगता है कि यह संदेश पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। आज पूरी दुनिया में बचपन बदल रहा है। खुले मैदान कम हो रहे हैं। पढ़ाई के बढ़ते बोझ और आनलाइन बिताए जाने वाले समय की वजह से बच्चों के लिए खुलकर खेलने, खुलकर कल्पना करने और आपस में मिलने-जुलने के अवसर कम होते जा रहे हैं। न्यूरोसाइंस और सीखने का विज्ञान पुष्टि करते हैं कि जब बच्चे खेलते हैं, तो वे जीवनभर के लिए सीखते हैं। खेल के जरिये वे भाषा सीखते हैं, अपनी एकाग्रता बढ़ाते हैं, भावनाओं पर काबू पाना सीखते हैं, समस्याओं को सुलझाने का अभ्यास करते हैं और दूसरों के साथ घुलना-मिलना सीखते हैं।

जीवन के पहले आठ साल मानव विकास के सबसे महत्वपूर्ण चरणों में से हैं। इन वर्षों के दौरान मस्तिष्क का विकास जीवन के किसी भी अन्य चरण की तुलना में सबसे तेजी से होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ के नर्चरिंग केयर फ्रेमवर्क के शोध से पता चलता है कि मस्तिष्क का 85 प्रतिशत से अधिक विकास छह साल की उम्र से पहले ही हो जाता है। यही शुरुआती साल शारीरिक स्वास्थ्य, भावनात्मक सुरक्षा, भाषा, जिज्ञासा, आत्मविश्वास और सामाजिक समझ की नींव रखते हैं। यही वे वर्ष हैं, जब बच्चों में सुनने, संवाद करने, ध्यान केंद्रित करने, याद रखने, तर्क करने और पढ़ने-लिखने और गणित की बुनियादी समझ जैसी महत्वपूर्ण क्षमताएं विकसित होती हैं। इसी दिशा में भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति छोटे बच्चों के लिए खेल-आधारित शिक्षा के महत्व को स्वीकार करती है। यह सोच में आया एक बड़ा बदलाव है, जो आंगनवाड़ी और शुरुआती कक्षाओं में खेल को बुनियादी शिक्षा का केंद्र बनाता है। अब कक्षाएं तेजी से ऐसी बनती जा रही हैं, जहां बच्चे गतिविधियों और खेल-खेल में सीखते हैं।

जब गणित के जोड़ को कंचों के साथ खेल-खेल में सिखाया जाता है, तो वह मजेदार हो जाता है। इसी तरह, रोल-प्ले (नाट्य रूप) के जरिये भाषा और आत्मविश्वास बढ़ता है और अपने आसपास की दुनिया को देखकर आकृतियों और रंगों की समझ बेहतर होती है। गीत, कहानियां और शारीरिक गतिविधियां पाठों में जान डाल देती हैं, जिससे कक्षाएं जिज्ञासा, सहभागिता और सीखने के उत्साह से भरी जीवंत जगह बन जाती हैं। खेल-खेल में सीखने का सिलसिला स्कूल के बाद भी जारी रहता है-चाहे घर पर हो, गलियों में हो या खेल के मैदान में। इसके लिए महंगे खिलौनों या बड़े बुनियादी ढांचे की जरूरत नहीं होती। एक मां का बच्चे को खाना खिलाते हुए लोरी सुनाना, दादाजी का पेड़ के नीचे बैठकर कहानियां सुनाना, भाई-बहनों का घर की चीजों से नए खेल खेलना या पिता का अपने बच्चे के साथ टहलते हुए उसे पक्षियों, रंगों और आवाजों के बारे में बताना-ये सभी सीखने के बेहतरीन अवसर हैं। इन पलों में बच्चे अपनी शब्दावली, एकाग्रता, याददाश्त, कल्पना और आपसी रिश्तों को मजबूत करते हैं। यही वह बुनियाद है, जिस पर आगे की शिक्षा टिकी होती है।

अगर हम चाहते हैं कि बच्चे सही मायने में विकसित हों, तो खेल को केवल एक विकल्प नहीं रहने दिया जा सकता। हमें इसे सुरक्षित रखना होगा, बढ़ावा देना होगा और हर बच्चे के जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाना होगा-घर में भी और स्कूल में भी। यह हम सबकी जिम्मेदारी है। हमें बचपन को उसी रूप में देखना होगा, जैसा वह वास्तव में है। एक आनंदमय और कीमती पड़ाव, जिसे देखभाल, सुरक्षा और आगे बढ़ने के अवसरों की जरूरत है। एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जिसका जीवन खेलकूद के जरिये गहराई से संवरा है, मैं इसकी शक्ति को भलीभांति समझता हूं। आइए, हम सब मिलकर एक सचेत निर्णय लें। बच्चों को खेलने, नई चीजें खोजने और बस बच्चे बने रहने का समय, स्थान और भरोसा दें। ऐसा करके हम केवल बचपन को सुरक्षित ही नहीं करते, बल्कि हम सभी के लिए एक स्वस्थ, खुशहाल और उम्मीदों से भरे भविष्य का निर्माण करने में मदद करते हैं।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

तीन दिन से बीबीएन के लोगों को नहीं मिला सस्ता राशन

सरवर डाऊन होने से आई समस्या

बद्दी, (तारा): बीबीएन में पिछले तीन दिन से लोगों को सस्ता राशन नहीं मिल पा रहा है। सरवर डाऊन होने से यह समस्या आई है। लोग राशन लेने के लिए डिपूओ पर जाते है लेकिन सरवर की समस्या होने से खाली हाथ वापस लौट जाते है। पिछले तीन दिन से बीबीएन की किसी भी सस्ते राशन की दुकान में लोगों को राशन नहीं मिल पाया है। पिछले तीन दिन से लोग राशन लेने दुकान पर तो आते है लेकिन सरवर में तकनीकी खराबी आने से लोगों को राशन नहीं मिल पा रहा है। बीबीएन के सभी डिपूओ में यह समस्याएं आई है। और लोग राशन मिलने से बार बार चक्कर काट रहे है और हर बार उन्हें बैरंग लौटना पड़ रहा है। बद्दी के जीएल कश्यप ने बताया कि उनकी डिपू कड़ूवाना में पड़ता है वह पिछले तीन दिन से डिपू के चक्कर काट कर रहे है लेकिन उन्हें राशन नहीं मिल पाया है। सरवर डाऊन होने से राशन कार्ड लिंक नहीं हो रहा है और जिसके चलते किसी को भी सामान नहीं मिल पा रहा है। बद्दी निवासी राज कुमार ने बताया कि पिछले तीन दिन से यह समस्या आई है। वह उद्योगों से छुट्टी लेकर राशन लेने आते है लेकिन उन्हें हर बार निराश होना पड़ रहा है। सरवर न चलने से उन्हें बाजार से मंहगा राशन खरीदना पड़ रहा है। उधर, जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक श्रवण कुमार ने बताया कि यह सरवर की समस्या शिमला से आई है। आईटी टीम इसे दूर करने में लगी हुई है। शाम तक सुचारू होने की उम्मीद है।

25 वर्षों की समाजसेवा का मिला आशीर्वाद, प्रधान मंगल ठाकुर का ग्रामीणों ने किया भव्य स्वागत

बिलासपुर (जितेंद्र गौतम)– विकास खंड झंडूता के अंतर्गत ग्राम पंचायत बड़गांव के नव निर्वाचित प्रधान मंगल ठाकुर का जन आशीर्वाद एवं आभार यात्रा के दौरान पंचायत के वार्ड नंबर 9 री में ग्रामीणों द्वारा ढ़ोल नगाड़ों द्वारा गरमजोशी से टोपी व हार पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया। जनता को अपने संबोधन में श्री ठाकुर ने जहां उन्हें समर्थन देने के लिए ग्रामीणों का आभार जिताया वहीं उन्होंने कहा कि वह 25 वर्षों से क्षेत्र में समाज सेवा में लगे हुए हैं लेकिन अब प्रधान बनने के बाद वह हमेशा हर काम के लिए सेवा में तत्पर रहेंगे उन्होंने ग्रामीणों को विश्वास दिलाया कि समस्त क्षेत्र का विकास में पूरा सहयोग किया जाएगा उन्होंने सरकारी योजनाओं से लोगों को अवगत कराते हुए कहां की प्रत्येक सरकारी योजना का लाभ पंचायत के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाएगा। ग्रामीणों ने इस अवसर पर उनके समक्ष बताया कि इतने वर्षों बाद भी उनके क्षेत्र अभी तक पिछड़ा है उन्होंने पंचायत प्रधान से उन समस्याओं को जल्द से जल्द हल करने की बात कही। ग्रामीणों को अस्वस्थ करते हुए ठाकुर ने बताया कि चरणबद्ध तरीके से गांव की प्रत्यक्ष समस्या का समाधान समय रहते किया जाएगा उन्होंने पुराने पक्के रास्तों को पक्का किया जाएगा व युवाओं को खेलने के लिए पक्का वॉलीबॉल ग्राउंड भी बनाया जाएगा। इस मौके पर उन्होंने बरसों पुरानी बंद पड़ी पेयजल योजना का मुआयना कर अधिकारियों से बात की की इस योजना को भी चालू किया जाए ताकि किसानों को उसका लाभ मिल सके।

इससे पहले पंचायत के गांव फटोह, खनेटी, भिड़ा, बल्ह, मारिणी व गट्टी में भी आभार व जन आशीर्वाद यात्रा के तहत ठाकुर का ग्रामीणों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर पंचायत सदस्य वीरभान चंदेल जितेंद्र पाल देवराज सुषमा देवी कमलेश सुनीत सिह नवीन कुमार विजय नितेश रघुवीर सिंह शमशेर सिंह गजेंद्र चंदेल देवराज ठाकुर रणजीत सिंह जंग बहादुर बलदेव करतार सिंह चंदन सुखदेव बलबीर सिंह शाहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

डंगार - सौग के डॉ. अभिनव शर्मा की शानदार उपलब्धि, ऑल इंडिया स्पॉन्सर्ड रैंकिंग में छठा स्थान

बरठी, 25 जून (देशराज) – डंगार – सौग से संबंध रखने वाले डॉ. अभिनव शर्मा ने पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ से एमडी (मेडिसिन) की डिग्री के लिए चयन के चलते ऑल इंडिया स्पॉन्सर्ड रैंकिंग में छठा स्थान हासिल किया है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है।

उल्लेखनीय है कि डॉ अभिनव ने आईजीएम सी शिमला से 2022 में स्नातक की उपाधि हासिल की थी। डॉ. शर्मा ने अपनी सेवाओं की शुरुआत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पीएचसी नम्होल से की थी, जहां उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके पश्चात वे पिछले तीन वर्षों से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) नोहराधार में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। चिकित्सा क्षेत्र में उनकी मेहनत, लगन और उत्कृष्ट प्रदर्शन ने उन्हें यह सम्मानजनक उपलब्धि दिलाई है। क्षेत्र के लोगों, सहकर्मियों एवं शुभचिंतकों ने डॉ. अभिनव शर्मा को इस सफलता पर हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। डॉ. शर्मा की यह उपलब्धि युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है और यह दर्शाती है कि समर्पण एवं कठिन परिश्रम से राष्ट्रीय स्तर पर भी उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किया जा सकता है। अभिनव के पिता सुरेश शर्मा रावमापा बरठी में प्रधानाचार्य के पद पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं जबकि माता एक निजी विद्यालय की संचालक हैं।

एनएचपीसी की सीएसआर पहल से चंबा में शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक विकास को मिली नई गति : हर्ष महाजन

एनएचपीसी ने चंबा में सीएसआर के तहत 56.62 करोड़ किए व्यय, शिक्षा से स्वास्थ्य तक हजारों लोगों को मिला लाभ

» प्रथम न्यूज । चंबा
25 जून (एएम नाथ)

राज्यसभा सांसद एवं ऊर्जा संबंधी स्थायी समिति के सदस्य हर्ष महाजन ने कहा कि एनएचपीसी लिमिटेड द्वारा अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) एवं सतत विकास (SD) कार्यक्रमों के अंतर्गत जिला चंबा में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं सामाजिक विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं। इन परियोजनाओं से जिले के हजारों लोगों को प्रत्यक्ष लाभ मिला है और क्षेत्र के समग्र विकास को नई दिशा मिली है। हर्ष महाजन ने बताया कि एनएचपीसी द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में 45 विद्यालयों के निर्माण का कार्य कराया जा रहा है, जिनमें 25 प्राथमिक तथा 20 माध्यमिक विद्यालय शामिल हैं। इस परियोजना पर 7.75 करोड़ की स्वीकृत लागत में से 6.57 करोड़ जारी किए जा चुके हैं तथा लगभग 6.55 करोड़ की राशि व्यय की जा चुकी है। अधिकांश विद्यालयों का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि शेष विद्यालयों में अंतिम चरण का कार्य प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों एवं विद्यालयों में 350 वाटर प्यूरीफायर स्थापित किए गए हैं, जिन पर 36.68 लाख व्यय किए गए हैं। वहीं स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए पांच प्रयोगशालाओं में 18 लाख की लागत से बायोकेमिस्ट्री एनालाइज़र स्थापित किए गए हैं, जिससे जांच सुविधाओं की गुणवत्ता और दक्षता में सुधार हुआ है। हर्ष महाजन ने बताया कि विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए मोबाइल थेरेपी बैंक सेवा भी आरंभ की गई है, जिससे लगभग 150 बच्चों को विशेषज्ञ चिकित्सा एवं फिजियोथेरेपी सेवाओं का लाभ मिल रहा है। इसके अतिरिक्त चंबा चौगान स्थित गांधी गेट के समीप 37 लाख की लागत से आधुनिक सार्वजनिक शौचालय का निर्माण पूर्ण किया गया है, जिसका संचालन एवं रखरखाव आगामी 30 वर्षों तक सुनिश्चित किया गया है। साथ ही चुवाड़ी स्थित पैराडाइज डे-केयर सेंटर के उन्नयन के लिए 15 लाख की सहायता प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2020-21 से 2025-26 के दौरान एनएचपीसी द्वारा जिला चंबा में सीएसआर गतिविधियों के तहत कुल 56.62 करोड़ व्यय किए गए हैं।

इनमें विभिन्न विद्युत परियोजनाओं के माध्यम से महत्वपूर्ण योगदान दिया गया है, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक विकास के क्षेत्र में स्थायी आधारभूत ढांचा तैयार हुआ है। हर्ष महाजन ने कहा कि एनएचपीसी के ये प्रयास केवल आधारभूत सुविधाओं के निर्माण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जनकल्याण एवं समग्र विकास की दिशा में एक मजबूत पहल हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एनएचपीसी भविष्य में भी जिला चंबा के सर्वांगीण विकास के लिए इसी प्रकार जनहितकारी योजनाओं के माध्यम से निरंतर कार्य करती रहेगी।

कसोल की रेव पार्टियों पर हाई कोर्ट सख्त

एसपी और एसडीएम के तबादले के आदेश

» प्रथम न्यूज । शिमला
25 जून (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट ने कुल्लू जिला के कसोल में जंगलों में रेव पार्टियों पर कार्रवाई न करने पर एसपी कुल्लू और संबंधित एसडीएम का तबादला करने के आदेश जारी किए हैं। मुख्य न्यायाधीश गुरमीत सिंह संधावालिया और न्यायाधीश बीसी नेगी की खंडपीठ ने पार्टियों के संयोजकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के आदेश दिए।

कोर्ट ने कहा कि जंगलों में कोई भी ऐसी पार्टी नहीं होनी चाहिए क्योंकि इससे कानून व्यवस्था पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। इस मामले पर अगली सुनवाई छह अगस्त को निर्धारित की गई है।

हाई कोर्ट ने कुल्लू जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण के सचिव को आदेश दिए थे कि वह प्रशासन व पुलिस अधिकारियों की मदद से उस जगह का दौरा करें और 10 दिन के भीतर रिपोर्ट सौंपें। कोर्ट ने कुल्लू के उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिया था कि वे निजी हलफनामे दाखिल करें और इस संबंध में छपी खबर पर स्पष्टीकरण दें।

रेव पार्टियों के संबंध में छपी खबर में बताया गया था कि कसोल जिसे मिनी इजरायल भी कहा जाता है, में सात से 11 जून तक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है और आयोजन संस्था इसका प्रचार कर रही है। कार्यक्रम की एक प्रतिभागी टिकट 10,000 से 16,000 रुपये के बीच बताई जा रही है।

इसमें चंडीगढ़, दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, गोवा के अलावा इजराइल समेत विदेश से भी लोग आ रहे हैं। इसमें बताया गया था कि लगभग 10,000 लोगों ने बुकिंग की है और मुख्य आयोजक इजरायली हैं। ज्यादा से ज्यादा लोगों को आकर्षित करके पैसे कमाने के लिए तेज आवाज वाले संगीत के वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

पंचायत चुनाव में हर बार मेरे साथ धोखा हुआ-कश्मीरी

बोले-पार्टी नेताओं द्वारा की गई मेरी अनदेखी

» प्रथम न्यूज । बद्दी
25 जून (तारा)

भारतीय जनता पार्टी दून मंडल के लगातार तीन बार से महामंत्री कश्मीरी लाल धीमान ने अपने तमाम पदों से त्याग पत्र दे दिया है। यह संभावना व्यक्त की जा रही है वो आने वाले समय में कांग्रेस का दामन थाम सकते हैं। मंडलाध्यक्ष मान सिंह मैहता को भेजे त्यागपत्र में महामंत्री कश्मीरी लाल धीमान ने लिखा है कि मैने हमेशा पार्टी कार्यकर्ता के रुप में संगठन को मजबूत करने के लिए पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी से कार्य किया है। उन्होने कहा कि मुझे दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि पार्टी के कुछ स्थानीय नेताओं द्वारा लगातार मेरी अनदेखी की गई और पंचायत चुनावों में हर बार मेरे साथ धोखा किया गया। संगठन के प्रति इतनी वफादारी निभाने के बाद भी मुझे जो धोखा मिला है वह मेरे लिए असहनीय है। कश्मीरी लाल धीमान ने कहा कि आत्म सम्मान की रक्षा के लिए मैने पार्टी के सभी पदों व प्राथमिक सदस्य से इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों का कहना है कि वरिष्ठ नेता कश्मीरी लाल धीमान ने जब लोदीमाजरा पंचायत से प्रधान का चुनाव लड़ा था को पार्टी के स्थानीय नेताओं व कार्यकर्ताओं ने उनका रत्तीभर भी साथ नहीं दिया। दून के पार्टी के आला नेताओं की चुप्पी के कारण वो लोदीमाजरा पंचायत से चुनाव हार गए और उसी दिन से उन्होने कह दिया था कि क्या करना ऐसी पार्टी जो कि पंचायती राज में अपने एक समर्पित कार्यकर्ता को साथ नहीं दे सकती। इसीलिए ही उन्होने भाजपा को अलविदा कर दिया और अपने मन का बोझ उतार दिया।

झंडूता पंचायत समिति पर भाजपा का कब्जा, शीला देवी बनीं अध्यक्ष और शोभित धीमान उपाध्यक्ष

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
25 जून (जितेंद्र गौतम)

झंडूता विधानसभा क्षेत्र के तहत आने वाली नगर पंचायत तशाहतलाई के बाद झंडूता पंचायत समिति पर भी भगवा परचम लहरा गया है। बुधवार को झंडूता पंचायत समिति के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के चुनाव में दोनों पदों पर भाजपा समर्थित प्रत्याशी विजयी रहे। बड़गांव वार्ड से निर्वाचित शीला देवी ने अध्यक्ष तथा गेहड़वीं वार्ड से निर्वाचित शोभित धीमान ने उपाध्यक्ष पद पर जीत हासिल की। इन पदों पर ताजपोशी के बाद नवनिर्वाचित अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व अन्य सदस्यों के साथ बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने झंडूता के विधायक जीतराम कटवाल की अगुवाई में रैली निकाली। झंडूता विकास खंड कार्यालय से बाजार होते हुए भाजपा कार्यालय तक निकाली गई रैली के दौरान जमकर आतिशबाजी भी की गई।

झंडूता पंचायत समिति के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष का चुनाव बुधवार को झंडूता की एसडीएम अर्शिया शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। अध्यक्ष पद के लिए भाजपा समर्थित शीला देवी तथा कांग्रेस समर्थित संदला धीमान ने दावेदारी जताई। वहीं, उपाध्यक्ष पद के लिए भाजपा समर्थित शोभित धीमान और कांग्रेस समर्थित ओंकार सिंह मैदान में उतरे। इसकी वजह से मतदान का सहारा लिया गया। अध्यक्ष पद के लिए भाजपा समर्थित प्रत्याशी शीला देवी को 13 वोट मिले, जबकि कांग्रेस समर्थित संदला धीमान के खाते में 9 वोट आए। वहीं, उपाध्यक्ष पद के लिए भाजपा समर्थित शोभित धीमान को 12 तथा कांग्रेस समर्थित ओंकर सिंह को 10 वोट मिले। इस पर अध्यक्ष पद पर शीला देवी और उपाध्यक्ष पद पर शोभित धीमान को निर्वाचित घोषित किया गया। जीत के बाद रैली निकालकर जश्न मनाया गया।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के साथ ही पंचायत समिति के अन्य सदस्यों को बधाई देते हुए जीतराम कटवाल ने कहा कि भाजपा 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूलमंत्र के साथ काम करने वाली पार्टी है। यही वजह है कि भाजपा पर जनता का विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व मंच पर एक नई पहचान बना रहा है। उन्होंने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। चुनाव चाहे कोई भी हों, उनमें भाजपा का साथ देकर लोग प्रधानमंत्री के इस संकल्प में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं को झंडूता विधानसभा क्षेत्र के हर गांव और घर तक पहुंचाना शुरू से ही उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। इस संकल्प के साथ वह क्षेत्र के विकास के लिए दिन-रात काम करने का ईमानदारी से प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि झंडूता पंचायत समिति के नवनिर्वाचित अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व सभी सदस्य इस क्षेत्र के विकास और जनसमस्याओं के समाधान के लिए ईमानदारी से काम करेंगे। इसमें वह भी अपने स्तर पर उनका पूरा साथ देंगे।

प्रतिबंधित सड़कों पर रहने वाले स्थायी निवासियों की समस्याओं को लेकर नागरिकों ने उपायुक्त शिमला से की मुलाकात

» प्रथम न्यूज । शिमला
25 जून (बी.शर्मा)

शिमला शहर के विभिन्न क्षेत्रों के नागरिकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज उपायुक्त शिमला श्री अनुपम कश्यप से भेंट कर प्रतिबंधित सड़कों पर रहने वाले स्थायी निवासियों को आ रही समस्याओं के संबंध में एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त को अवगत कराया कि जाखू, यू.एस. क्लब, बेनमोर, फिंगास्क एस्टेट, कैथोलिक क्लब, कालीबाड़ी, नॉर्थ बैंक तथा कनलोग वार्ड के ऊपरी क्षेत्रों सहित विभिन्न स्थानों पर पिछले कई दशकों से सैकड़ों परिवार निवास कर रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें अपने ही घरों तक पहुंचने के लिए बार-बार अनुमति (परमिट) लेने की जटिल प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है, जिससे आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि स्थायी निवासियों के लिए दीर्घकालिक रेजिडेंट पास जारी किए जाएं, परमिट शुल्क में युक्तिसंगत कमी की जाए, सिंगल विंडो क्लियरेंस सिस्टम लागू किया जाए, दोपहिया वाहनों को भी परमिट व्यवस्था में शामिल किया जाए तथा आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराने वाले व्यक्तियों एवं कूरियर सेवाओं के लिए सरल प्रवेश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने मांग की कि स्थायी निवासियों के लिए शुल्क संरचना को तर्कसंगत बनाया जाए तथा उन्हें राहत प्रदान की जाए, क्योंकि अपने घर तक पहुंचना उनका बुनियादी अधिकार है। उपायुक्त श्री अनुपम कश्यप ने प्रतिनिधिमंडल की सभी मांगों को गंभीरता से सुना तथा आश्वासन दिया कि नागरिकों द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों पर सकारात्मक एवं सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्थायी निवासियों की वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन आवश्यक एवं उचित कार्रवाई करेगा। इस अवसर पर दीपक सूद, प्रदीप कुकरेजा, रजत, दिव्यप्रीत गुलाटी, किम्मी सूद, करण नंदा, पूर्व महापौर मनोज शर्मा, पंकज प्रभाकर, डी.डी. शर्मा, मनोज कुमार, हरीश मल्होत्रा, साहिल सूद, विजय गुप्ता सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त द्वारा दिए गए सकारात्मक आश्वासन पर संतोष व्यक्त करते हुए आशा जताई कि प्रशासन शीघ्र ही नागरिकों की इन वास्तविक समस्याओं का समाधान करेगा और प्रतिबंधित सड़कों पर रहने वाले स्थायी निवासियों के लिए सरल, पारदर्शी एवं जनहितैषी व्यवस्था लागू की जाएगी।

मंदिर से दान पेटी चोरी, सोसायटी में रोष

» प्रथम न्यूज । बद्दी
25 जून (गुरजीत सिंह)

औद्योगिक क्षेत्र बद्दी स्थित ऋषि अपार्टमेंट रेजिडेंट वेलफेयर सोसायटी परिसर में बने मंदिर से अज्ञात चोर दान पेटी चुरा ले गए। घटना के बाद सोसायटी पदाधिकारियों और श्रद्धालुओं में रोष व्याप्त है। मामले की शिकायत पुलिस थाना बद्दी में दर्ज करवाई गई है।

जानकारी के अनुसार मंदिर में रखी दान पेटी में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाई गई नकद राशि जमा रहती थी। बुधवार को दान पेटी गायब मिलने पर सोसायटी प्रबंधन को चोरी का पता चला। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई।

सोसायटी के अध्यक्ष विद्याधर तिवारी ने बताया कि इससे पहले भी मंदिर परिसर से विद्युत तारों समेत अन्य सामान चोरी होने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। लगातार हो रही चोरी की वारदातों से क्षेत्रवासियों में चिंता बढ़ गई है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने और मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। उधर, एएसपी बद्दी अशोक वर्मा ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और संदिग्ध गतिविधियों की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले में जल्द ही आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

स्थानीय लोगों ने धार्मिक स्थलों की सुरक्षा बढ़ाने और चोरी की बढ़ती घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए नियमित पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है।

इग्नू क्षेत्रीय निदेशक शिमला डॉ संदीप गुप्ता ने किया महाविद्यालय नालागढ़ इग्नू परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं को सराहा

» प्रथम न्यूज । नालागढ़
25 जून (गुरजीत सिंह)

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के शिमला क्षेत्रीय केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ संदीप गुप्ता ने राजकीय महाविद्यालय नालागढ़ में चल रही इग्नू की सत्रांत परीक्षाओं का अचानक औचक निरीक्षण किया। इस औचक दौरे का मुख्य उद्देश्य परीक्षा की शुचिता, सुरक्षा और व्यवस्थाओं का जायजा लेना था। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय निदेशक ने परीक्षा हालों का दौरा किया और सिटिंग प्लान, प्रश्नपत्रों की गोपनीयता, सीसीटीवी निगरानी और परीक्षार्थियों को दी जा रही सुविधाओं की गहनता से जांच की। बेहतर प्रबंधन के लिए इग्नू प्रशासन की पीठ थपथपाई। उन्होंने कहा कि नालागढ़ कॉलेज ने इग्नू के नियमों और दिशानिर्देशों का पालन करते हुए अत्यंत पारदर्शी और अनुशासित माहौल में परीक्षा का आयोजन किया है। नकल विहीन और शांतिपूर्ण परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए कॉलेज का स्टाफ बधाई का पात्र है।

क्षेत्रीय निदेशक ने परीक्षा केंद्र पर मौजूद कुछ परीक्षार्थियों से भी बातचीत की। विद्यार्थियों ने भी परीक्षा केंद्र की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया।

इस अवसर पर राजकीय महाविद्यालय नालागढ़ के प्राचार्य डॉ ललित गुलेरिया और इग्नू परीक्षा केंद्र के समन्वयक डॉ हरविंदर सिंह, सहायक समन्वयक डॉ नरेश कुमार एवं इग्नू स्टाफ भी उपस्थित रहा। उन्होंने क्षेत्रीय निदेशक को आश्वस्त किया कि भविष्य में भी इग्नू की परीक्षाओं को इसी तरह पूरी निष्पक्षता और उच्च मानकों के साथ संपन्न करवाया जाएगा।

सड़क संपर्क से वंचित गांवों के लिए बनेगी डीपीआर, पीएमजीएसवाई-4 में होंगे शामिल : कुलदीप सिंह पठानिया

कहा, चंबा में 551 करोड़ की 65 सड़क परियोजनाओं में 61 को मिली गति, जल्द शुरू होंगे शेष कार्य

» प्रथम न्यूज । डलहौजी
25 जून (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश वि क्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने बुधवार को डलहौजी स्थित परिधि गृह में आयोजित समीक्षा बैठक में लोक निर्माण विभाग द्वारा जिला चंबा में संचालित विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लिया। बैठक में विभाग के मुख्य अभियंता उत्तरी क्षेत्र, अधीक्षण अभियंता डलहौजी वृत्त सहित विभिन्न अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक के दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार 250 से अधिक आबादी वाले जिले के सभी सड़क सुविधा से वंचित गांवों को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के चौथे चरण में शामिल करते हुए उनकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों को सड़क संपर्क से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है और इसके लिए सभी आवश्यक कदम समय पर उठाए जाएं। पठानिया ने चंबा-चुवाड़ी टनल परियोजना की समीक्षा करते हुए बताया कि इस महत्वाकांक्षी योजना का निर्माण सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र में आवागमन को सुगम बनाने के साथ विकास को नई गति प्रदान करेगी।

उन्होंने जानकारी दी कि पीएमजीएसवाई के चौथे चरण के तहत जिले में लगभग 551 करोड़ रुपये की लागत वाली 65 सड़क परियोजनाएं स्वीकृत हैं। इनमें से 61 परियोजनाओं के लिए लेटर ऑफ इंटरेस्ट जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने अधिकारियों को शेष चार परियोजनाओं से जुड़ी विभागीय औपचारिकताओं को शीघ्र पूरा कर निर्माण कार्य शुरू करने के निर्देश दिए।

विधानसभा अध्यक्ष ने विभिन्न सड़क एवं पुल परियोजनाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा अन्य सरकारी भवनों के निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने वन स्वीकृति से जुड़े लंबित मामलों का समयबद्ध निपटारा सुनिश्चित करने के लिए एसडीएम, डीएफओ और संबंधित एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि सड़क और पुल जैसी आधारभूत सुविधाएं किसी भी क्षेत्र के समग्र विकास की आधारशिला होती हैं। इसलिए सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए और अनावश्यक देरी से बचा जाए। बैठक में अधिकारियों ने विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए भावी कार्ययोजना और प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर सुझाव भी साझा किए।

शेफाली वर्मा की आंधी में उड़ी बांग्लादेश

भारत की धमाकेदार जीत

सेमीफाइनल की उम्मीदें कायम

शेफाली वर्मा की तूफानी फिफ्टी के चलते भारतीय महिला टीम ने गुरुवार को विमंस टी20 विश्व कप 2026 के 23वें मुकाबले में बांग्लादेश को 5 विकेट से हराया। विश्व कप में भारत की यह तीसरी जीत है। इसके साथ ही भारत के 6 अंक हो गए हैं।

इस जीत के साथ ही भारत ने सेमीफाइनल की उम्मीदों को जिंदा रखा है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश टीम ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 136 रन बनाए थे। 137 रन के टारगेट को भारत ने 16.5 ओवर में चेज कर लिया। अब भारत का सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा।

राधा ने चटकाए 3 विकेट

बांग्लादेश की सलामी बल्लेबाज जुएरिया फिरदौस ने सबसे ज्यादा 33 रन बनाए। कप्तान निगार सुल्ताना ने 27 गेंदों पर 32 रन की पारी खेली। शोभना मोस्टोरी ने 22 रनों का योगदान दिया। भारत की ओर से राधा यादव ने सबसे ज्यादा 3 विकेट चटकाए। वहीं श्रीचरणी के खाते में 2 विकेट आए। रेणुका ठाकुर और नंदनी शर्मा को भी 1-1 विकेट मिला।

शेफाली की तूफानी शुरुआत

137 रन चेज करने उतरी भारतीय टीम को शेफाली वर्मा ने तेज शुरुआत दी। उन्होंने आते ही गेंदबाजों पर प्रहार शुरू किया। हालांकि, इस बीच स्मृति मंधाना सस्ते में आउट हो गईं। उन्होंने 6 गेंदों पर 8 रन बनाए। पावरप्ले में भारतीय टीम ने 1 विकेट खोकर 63 रन बना लिए थे। यह टी20 विश्व कप में भारतीय महिला टीम का पावरप्ले में सबसे ज्यादा स्कोर है।

शेफाली ने बनाया रिकॉर्ड

8वें ओवर में चौका लगातार शेफाली वर्मा ने अपनी फिफ्टी पूरी की। उन्होंने 29 गेंदों पर अर्धशतक लगाया। हालांकि, फिफ्टी लगाने के बाद वह स्टंपिंग आउट हो गईं। शेफाली ने 34 गेंदों पर 53 रन की पारी खेली। वह मुकाबले की हीरो रहीं। अपनी इस पारी में शेफाली ने 8 चौकों के साथ ही 1 छक्का भी लगाया। यास्तिका भाटिया ने 23 और रिचा घोष ने 10 रन बनाए। कप्तान हरमनप्रीत कौर 13 और दीप्ति शर्मा 5 रन बनाकर नाबाद रहीं।

वैभव सूर्यवंशी के लिए आयरलैंड टीम ने बनाया खास प्लान, जार्ज डाकरेल ने किया खुलासा

भारत और आयरलैंड के बीच दो मैचों की टी-20 सीरीज का आगाज 26 जून से होगा। नए टी-20 कप्तान श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में भारतीय टीम जीत के इरादे से मैदान पर उतरेगी। हालांकि, सबसे अधिक चर्चा 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की हो रही है, जिनकी धमाकेदार बल्लेबाजी ने सभी का ध्यान खींचा है।

मुकाबले से पहले आयरलैंड के अनुभवी बल्लेबाज जार्ज डाकरेल ने कहा कि उनकी टीम ने भारत के साथ-साथ वैभव की आक्रामक बल्लेबाजी का सामना करने के लिए भी खास रणनीति तैयार की है।

लोग पसंद कर रहे हैं

उन्होंने कहा कि वह निश्चित रूप से बेहद प्रतिभावान खिलाड़ी हैं। इतनी कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। जिस अंदाज में उन्होंने भारतीय टीम में जगह बनाई है, उसी कारण लोग उन्हें खेलते हुए पसंद कर रहे हैं। हालांकि, हम उनके साथ किसी अलग तरह का व्यवहार नहीं करेंगे। जैसे बाकी बल्लेबाजों के लिए हमारी योजनाएं होती हैं, वैसे ही उनके लिए भी होंगी।

हमें ताकत का अंदाजा

हमें उनकी ताकत का अंदाजा है और हम अपनी रणनीति के जरिए उन्हें और बाकी भारतीय बल्लेबाजों को ज्यादा से ज्यादा मुश्किल में डालने की कोशिश करेंगे। हमें यहां की परिस्थितियों का अच्छा अनुभव है और हम उसी का फायदा उठाना चाहेंगे। आगे उन्होंने विश्व चैंपियन भारत के विरुद्ध को लेकर कहा कि भारत के विरुद्ध खेलना हमेशा रोमांचक होता है।

यह दौरा हमेशा खास होता

आयरलैंड में भारत का दौरा करना हमारे लिए बेहद खास होता है और उम्मीद है कि उन्हें भी यहां का अनुभव पसंद आएगा। हमारी टीम के लिए भी यह एक नया दौर है। कुछ नए चेहरे जुड़े हैं और टीम की पहचान भी थोड़ा बदल रही है। विश्व कप चक्र की शुरुआत में भारत जैसी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम के विरुद्ध खेलना हमारे लिए खुद को परखने का शानदार मौका है। इससे हमें पता चलेगा कि हम इस समय कहां खड़े हैं और आने वाले वर्षों में किस दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

नए कप्तान पर बात की

नए कप्तान को लेकर डाकरेल ने कहा कि लार्कन ने कप्तानी संभालने के बाद शानदार काम किया है। विश्व कप के दौरान जब पाल चोटिल हुए थे, तब भी उन्होंने कुछ मैचों में कप्तानी की थी। इसलिए हमें उनकी शैली का पहले से अनुभव है।

वह बहुत स्पष्ट सोच रखने वाले, शांत स्वभाव के और क्रिकेट को अच्छी तरह समझने वाले कप्तान हैं। वह चाहते हैं कि हर खिलाड़ी अपने खेल की जिम्मेदारी खुद ले और टीम को आगे बढ़ाने में योगदान दे। उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में नए खिलाड़ी आगे आएंगे और हमारी टी-20 क्रिकेट और मजबूत होगी।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला ऋषिकेश में स्कूल प्रबंधन समिति का गठन संपन्न

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
25 जून (जितेंद्र गौतम)

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला ऋषिकेश में हिमाचल प्रदेश सरकार एवं शिक्षा विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुसार स्कूल प्रबंधन समिति (स्स्ष्ट) के गठन की प्रक्रिया विद्यालय प्रधानाचार्य श्री निर्मल सिंह चंदेल की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक संपन्न करवाई गई।

चुनाव प्रक्रिया के दौरान अभिभावकों एवं समुदाय के प्रतिनिधियों द्वारा समिति के सदस्यों का चयन किया गया। नवगठित स्कूल प्रबंधन समिति में नीलम कुमारी, नीता, बिंदु कुमारी, श्याम लाल, बेला सिंह, चमन लाल, संगीता देवी, श्याम सिंह, अछरी देवी, मनीष, रेखा, चमन, ग्राम पंचायत डमली से सुरेखा देवी तथा शिक्षाविद् अनंत राम को सदस्य के रूप में चुना गया।

समिति की प्रथम बैठक 1 जुलाई 2026 को आयोजित की जाएगी, जिसमें समिति के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का चयन सदस्यों द्वारा किया जाएगा। बैठक में विद्यालय के विकास, शैक्षणिक गुणवत्ता, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा सामुदायिक सहभागिता से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा की जाएगी।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत डमली के नवनिर्वाचित प्रधान श्री गुरमीत सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने नवनिर्वाचित सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए विद्यालय के विकास कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्कूल प्रबंधन समिति विद्यालय और समुदाय के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी है तथा सभी सदस्यों को तन, मन और पूर्ण निष्ठा के साथ विद्यालय की उन्नति के लिए कार्य करना चाहिए। उन्होंने क्षेत्र में बढ़ती नशाखोरी पर चिंता व्यक्त करते हुए समाज एवं अभिभावकों से बच्चों पर विशेष ध्यान देने तथा नशे के विरुद्ध जागरूकता बढ़ाने की अपील भी की। विद्यालय प्रधानाचार्य श्री निर्मल सिंह चंदेल ने कहा कि हिमाचल प्रदेश सरकार के निर्देशों के अनुसार गठित स्कूल प्रबंधन समिति विद्यालय के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नवगठित समिति विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, विद्यार्थियों की उपस्थिति बढ़ाने, आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण तथा समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित करने में अपना सक्रिय योगदान देगी। उन्होंने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए विद्यालय हित में मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। प्रधानाचार्य ने बताया कि शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार स्कूल प्रबंधन समिति विद्यालय के विकास, संसाधनों के बेहतर उपयोग, विद्यार्थियों के नामांकन एवं ठहराव को बढ़ाने तथा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हेतु विद्यालय प्रशासन के साथ मिलकर कार्य करेगी। नवगठित समिति के गठन पर अभिभावकों एवं स्थानीय समुदाय में उत्साह का माहौल देखा गया।

कार्यक्रम के अंत में स्कूल प्रबंधन समिति के पूर्व प्रधान श्री विजय चंदेल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए समिति के कार्यकाल के दौरान विद्यालय में किए गए विभिन्न विकास कार्यों एवं उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने विद्यालय के शैक्षणिक एवं आधारभूत ढांचे के सुदृढ़ीकरण में समिति के सहयोग को रेखांकित करते हुए सभी सदस्यों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने नवगठित समिति को शुभकामनाएं देते हुए विद्यालय के विकास के लिए निरंतर कार्य करने का आह्वान किया और उनके द्वारा स्कूल प्रबंधन समिति को विधिवत भंग किया गया।

एसआईआर कार्य से सम्बन्धित एआरओस के कार्य की करी समीक्षा, एसआईआर का कार्य तय समय सीमा में करे पूरा : विश्राम कुमार मीणा

» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र
25 जून (बृज मोहन)

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि एसआईआर का कार्य जिले में जोर शोर से चल रहा है। इस विषय में उन्होंने अधिकारियों को कहा कि एसआईआर का कार्य तय समय सीमा में पूरा करे, इस विषय में किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही सहन नहीं की जाएगी।

उपायुक्त नए लघु सचिवालय के सभागार में एसआईआर से सम्बन्धित एआरओस के कार्य की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने बैठक में एक एक करके सम्बन्धित एआरओस से बात की और उनको दिए गए बूथों पर कितना कार्य हो चुका है इसकी जानकारी भी ली। उन्होंने कहा कि सभी एआरओस अपने अपने क्षेत्र के सुपरवाईजर और बीएलओ से सम्पर्क करके रखे तथा समय समय पर उनके साथ बैठक भी करे। उन्होंने यह भी कहा कि जब भी आप मतदाता के पास फार्म से सम्बन्धित जानकारी लेने के लिए जाए तो उसको पूरी तरह से फार्म भरने से सम्बन्धित गाइड करे ताकि कोई गलती ना हो।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने एसआईआर के कार्य में कोताही बरतने पर बीडीपीओ थानेसर को कारण बताओ नोटिस जारी किया और मुख्यालय को भी प्रति भेजने को कहा। सम्बन्धित विधानसभा में वितरण के बाद मतदाताओं द्वारा भरे गए गणना प्रपत्र प्राप्त करने का काम शुरू कर दिया गया है। इन दिनों मतदाता सूची को त्रुटिरहित और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर 2026) का कार्य जारी है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत बीएलओ द्वारा घर-घर गणना प्रपत्र वितरण किया जा रहे हैं और अब मतदाताओं द्वारा भरे गए फार्म प्राप्त करने का काम भी शुरू कर

दिया गया है। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि बीएलओ जब उनके घर आएं तो सही जानकारी उपलब्ध करवाते हुए पूर्ण सहयोग करें और मजबूत लोकतंत्र के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने एसआईआर कार्य से जुड़े सभी अधिकारियों को गणना प्रपत्र वितरण कार्य को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर जिला राजस्व अधिकारी चेतना चौधरी, डीडीपीओ विकास कुमार, चुनाव तहसीलदार संदीप कुमार, सहायक मीनू सैनी, प्रोग्रामर सर्वजीत सिंह, राजकुमार मेंहदीरत्ता, सुनील मराठा, विनोद, गौरव सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

समाधान शिविरों की शिकायतों को निर्धारित समय अवधि के अंदर निपटाएं सम्बन्धित अधिकारी : विश्राम कुमार मीणा

कुरुक्षेत्र, 25 जून (बृज मोहन) उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि समाधान शिविरों की शिकायतों को निर्धारित समय अवधि के अंदर निपटाने का प्रयास किया जाए। इस विषय को सभी अधिकारी विशेष फोकस रखकर कार्य करेंगे। इतना ही नहीं शिकायतों को पोर्टल पर भी अपडेट किया जाए। सभी अधिकारी और कर्मचारियों का प्रयास रहे कि कोई भी शिकायत आवेर डयू ना हो और प्रत्येक शिकायत का समाधान करने के उपरांत एटीआर रिपोर्ट पोर्टल पर अपडेट करे।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा स्थानीय नए लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर में आमजन की समस्याओं को सुन रहे थे, उन्होंने मौके पर अधिकारियों को कहा तय समय सीमा के अंदर संबंधित शिकायतों का निपटारा करें। बैठक में उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि जिन विभागों की शिकायतें लंबित पड़ी हुई है, उनका जल्द समाधान करते हुए आमजन को राहत प्रदान करें। समाधान शिविर सरकार के सुशासन के संकल्प को जमीनी स्तर पर उतारने का एक प्रभावी माध्यम है। सभी विभागाध्यक्ष सुनिश्चित करें कि प्रत्येक शिकायत को निर्धारित समय-सीमा के भीतर निपटाया जाए। गुणवत्तापूर्ण एटीआर पोर्टल पर अपलोड की जाए ताकि वह शिकायत दोबारा से न खुले।

जिन शिकायतों का समाधान संभव नहीं है, उन्हें रिजेक्ट की श्रेणी में डाले। इस मौके पर सीएम एमिनेंट पर्सन गगन कोहली ,जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी विकास कुमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित है।

कुरुक्षेत्र में बीएलओ ने घर घर जाकर 7 लाख 41 हजार 99 ई फार्म किए वितरित:विश्राम कुमार मीणा

» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र
25 जून (बृज मोहन)

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि कुरुक्षेत्र जिला की चारों विधानसभाओं में बीएलओ द्वारा घर घर जाकर 7 लाख 41 हजार 99 एम्यूरेशन फार्म वितरित कर दिए है। इस जिले में ई फार्म वितरण का कार्य 94.55 प्रतिशत पूरा किया जा चुका है। इस जिले के लक्ष्य को जल्द ही पूरा करके डिजिटाइजेशन के कार्य को पूरा किया जाएगा।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने नए लघु सचिवालय के सभागार में बातचीत करते हुए कहा कि कुरुक्षेत्र जिला की लाडवा, शाहबाद, थानेसर व पिहोवा विधानसभाओं में एम्यूरेशन फार्म वितरित करने के 94.55 प्रतिशत लक्ष्य को पूरा कर लिया गया है। इसमें लाडवा विधानसभा में 98.17 प्रतिशत, शाहबाद में 99.53 प्रतिशत, थानेसर विधानसभा में 89.47 प्रतिशत, पिहोवा विधानसभा में 92.21 प्रतिशत एम्यूरेशन फार्म वितरित करने का लक्ष्य शामिल है।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि एन्यूमरेशन फार्म को 6 प्रकार से भरा जाना है। जिन मतदाताओं का नाम 2002 की मतदाता सूची हैं, उनका स्वयं की डिटेल व 2002 का रिकॉर्ड भरा जाएगा।

जिन मतदाताओं का 2002 की मतदाता सूची में नहीं है उनके परिजनों (माता-पिता) की 2002 सूची का रिकॉर्ड फार्म में भरा जाएगी। जिन मतदाताओं व उनके परिजनों (माता-पिता) का 2002 की मतदाता सूची में नाम नहीं है, उनके दादा-दादी के मतदाता सूची रिकॉर्ड को फार्म में भरा जाएगा।

उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों से स्थानांतरण होकर आने वाले मतदाताओं को एसआईआर में शामिल कर सकते हैं। इस स्थिति में मतदाता को अपने एन्यूमरेशन फार्म में पहले राज्य की एसआईआर की डिटेल भरनी होगी।

विवाहित महिला के आवेदन में उसके पति की बजाए उसके परिजनों (माता-पिता) के 2002 की सूची के रिकॉर्ड से डाटा लिया जाएगा। विवाहित महिला के आवेदन में यदि 2002 की सूची में केवल माता का रिकॉर्ड है तो माता की रिकॉर्ड की ही डिटेल शामिल की जाएगी।

अब डिजिटलाइजेशन का कार्य शुरू, 6.68 प्रतिशत एम्यूरेशन फार्मों को किया डिजिटाइज्ड

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि कुरुक्षेत्र जिला की चारों विधानसभाओं में एम्यूरेशन फार्म के डिजिटलाइजेशन का कार्य शुरू कर दिया है। अब इस जिले में 6.68 प्रतिशत एम्यूरेशन फार्मों को डिजिटाइज्ड किया जा चुका है। इसमें लाडवा विधानसभा में 8.54, शाहबाद में 13.10, थानेसर में 2.26 और पिहोवा में 4.10 प्रतिशत डिजिटाइजेशन का कार्य शामिल है।

चार विधानसभाओं में 7 लाख 83 हजार 831 मतदाताओं तक पहुंच रहे है बीएलओ

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि कुरुक्षेत्र की चार विधानसभाओं में बीएलओ 7 लाख 83 हजार 831 मतदाताओं तक पहुंचेंगे। इसमें लाडवा विधानसभा में 1 लाख 97 हजार, शाहबाद में 1 लाख 72 हजार 945, थानेसर विधानसभा में 2 लाख 23 हजार 905, पिहोवा विधानसभा में 1 लाख 89 हजार 78 मतदाता शामिल है। इन सभी मतदाताओं तक बीएलओ एसआईआर के तहत एम्यूरेशन फार्म लेकर पहुंच रहे है।

कुरुक्षेत्र की चारों विधानसभाओं में दिन रात कम कर रहे है 810 बीएलओ

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि कुरुक्षेत्र जिले की चारों विधानसभाओं में 810 बीएलओ लगातार मेहनत कर रहे है। इसमें से 217 बीएलओ लाडवा विधानसभा, शाहबाद में 185 बीएलओ, थानेसर में 204 बीएलओ व पिहोवा में भी 204 बीएलओ शामिल है।

एम्यूरेशन फार्म के प्रिंट का कार्य हो चुका है 100 फीसदी

एसआईआर के तहत एम्यूरेशन फार्म के प्रिंट का कार्य 100 फीसदी पूरा किया जा चुका है। इसमें हर विधानसभा में मतदाताओं की संख्या के अनुसार कुल 7 लाख 83 हजार 831 एम्यूरेशन फार्म का प्रिंट लिया जा चुका है।

संक्षिप्त न्यूज

महाकाल मंदिर में चढ़ावे ने तोड़ा रिकॉर्ड, सोने-चांदी का लगा अंबार; जानें इस साल कितना दान मिला

उज्जैन (ब्यूरो): देशभर के प्रमुख धार्मिक स्थलों में शामिल महाकालेश्वर मंदिर में इस वर्ष चढ़ावे का नया रिकॉर्ड बना है। मंदिर प्रशासन द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले एक वर्ष में मंदिर को 142 करोड़ रुपये से अधिक का चढ़ावा प्राप्त हुआ है। यह राशि पिछले वर्ष की तुलना में करीब 27 करोड़ रुपये अधिक है। मंदिर प्रशासन के अनुसार, यह आंकड़ा नकद और ऑनलाइन दान का है। इसमें श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए सोने-चांदी के आभूषणों तथा अन्य कीमती वस्तुओं का मूल्य शामिल नहीं है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ऑनलाइन, ऑफलाइन और गुप्त दान को मिलाकर मंदिर को लगभग 80 करोड़ रुपये का दान मिला। इनमें से करीब 78 करोड़ रुपये दान पेटियों से प्राप्त हुए हैं। इसके अलावा पांच करोड़ रुपये से अधिक की राशि श्रद्धालुओं ने काउंटर पर जमा कर रसीद के साथ दान की है। मंदिर को गुप्त दान के रूप में साढ़े चार करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्राप्त हुई, जबकि मनी ऑर्डर के माध्यम से 1.23 लाख रुपये का योगदान मिला। इसके अतिरिक्त बड़ी मात्रा में सोना, चांदी और अन्य बहुमूल्य आभूषण भी मंदिर को दान किए गए हैं, जिनका मूल्य करोड़ों रुपये आंका जा रहा है। महाकाल मंदिर के सहायक प्रशासक आशीष फलवाड़िया ने बताया कि चढ़ावे की गिनती की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और सुरक्षित तरीके से की जाती है। गिनती के दौरान सभी गतिविधियों की निगरानी सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से की जाती है। मंदिर प्रशासन का कहना है कि बढ़ती आय के साथ श्रद्धालुओं की सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्थाओं और मंदिर परिसर के विकास पर होने वाला खर्च भी लगातार बढ़ रहा है। उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर देश के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। हर वर्ष लाखों श्रद्धालु बाबा महाकाल के दर्शन के लिए यहां पहुंचते हैं। महाकाल लोक परियोजना के निर्माण के बाद मंदिर में आने वाले भक्तों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके साथ ही दान राशि में भी लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। मंदिर प्रशासन के अनुसार, देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की आस्था और सहभागिता के कारण महाकाल मंदिर की आय में लगातार इजाफा हो रहा है।

भारत में कमर्शियल LPG सिलिंडर पर लगी पाबंदियां हटीं

होर्मुज जलडमरूमध्य खुलने से सप्लाई बहाल

नई दिल्ली (ब्यूरो)- मिडिल ईस्ट में तनाव कम होने का असर भारत में दिखने लगा है। केंद्र सरकार ने कमर्शियल पैक्ड एलपीजी सिलिंडर पर लगी पाबंदियों को हटा दिया है। अमेरिका-ईरान के बीच समझौता होने के बाद से होर्मुज जलडमरूमध्य खुल रहा है। इसी के चलते सरकार ने LPG सप्लाई को संकट से पहले के स्तर पर बहाल करने का फैसला किया है।

कमर्शियल सिलिंडर पर लगी पाबंदियां हटी

सरकार ने होटलों और अन्य जगहों पर कमर्शियल LPG की सप्लाई को वेस्ट एशिया संकट से पहले के स्तर पर बहाल कर दिया है और सेक्टर-वाइज पाबंदियां हटा ली हैं।

तेल व गैस क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर ईरान-भारत सहमत : भारत के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी से ईरान के पेट्रोलियम मंत्री मोहसिन पाकनेजाद से मुलाकात की। यह बैठक 11वीं ब्रिक्स ऊर्जा मंत्रियों की बैठक के दौरान गुरुग्राम में हुई।

दोनों पक्षों ने तेल, गैस और ऊर्जा क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की और तेहरान-नई दिल्ली के बीच ऊर्जा संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर विचार विमर्श किया। बैठक में ईरान से तेल खरीदने के मुद्दे पर भी बात हुई। हालांकि भारत सरकार के सूत्रों के अनुसार, इस संबंध में कोई फैसला पूरी तरह वाणिज्यिक आधार पर लिया जाएगा। भारत कभी ईरान से काफी बड़ी मात्रा में तेल आयात करता था। वर्ष 2018-19 में ईरानी कच्चा तेल भारत के कुल तेल आयात का लगभग 11 प्रतिशत हिस्सा था। लेकिन अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण 2019 में भारत ने इन आयातों को रोक दिया था।

तुर्किये के मशहूर बॉलीवुड फिल्मिंग लोकेशन्स भारतीय ट्रैवलर्स के लिए मुख्य आकर्षण बने

चंडीगढ़ (जगमीत घुम्मन)- लाखों भारतीय दर्शकों के लिए, तुर्किये की पहली झलक किसी गाइडबुक से नहीं बल्कि एक सिनेमा स्क्रीन के ज़रिए मिली इस्तांबुल की छतों पर एक चेज़ सीक्वेंस, कप्पाडोसिया की अजीब चट्टानों के सामने फिल्माया गया एक गाना, बोस्फोरस के चमकते पानी के सामने एक रोमांटिक मोंटाज है। बॉलीवुड फिल्म मेकिंग के दो दशकों से ज्यादा समय से, तुर्की इंडस्ट्री की सबसे पसंदीदा जगहों में से एक बन गया है और यह देश अब भारतीय यात्रियों को देखने वाले से एक्सप्लोरर बनने और खुद उन नज़ारों को खोजने के लिए बुला रहा है, जिन्होंने लंबे समय से बॉलीवुड की कल्पना को थामे रखा है। भारतीय फिल्ममेकर्स के लिए तुर्की की अपील न तो इत्तेफाक है और न ही कुछ समय के लिए। यह देश कुछ ऐसा देता है जिसकी बराबरी बहुत कम जगहें कर सकती हैं, एक पूरे महाद्वीप की विज़ुअल वैरायटी को एक ही देश में समेटा गया है। पुराना ओटोमन आर्किटेक्चर, मध्ययुगीन बाज़ार, ज्वालामुखी घाटियाँ, फ़िरोज़ी समुद्र तट,ए और दो महाद्वीपों में फैला एक महानगर इन सबने बॉलीवुड डायरेक्टर्स को रेडी-मेड सिनेमा दिया है। नतीजा एक ऐसी जगह है जिसे भारतीय यात्री तुर्की की धरती पर कदम रखने से पहले ही, सबसे सहज तरीके से जानते हैं।

साइबर ठगी पर केंद्र सरकार का बड़ा प्रहारः पीएम मोदी ने दिए देशभर में e-Zero FIR लागू करने के निर्देश

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
25जून (ब्यूरो)

देश में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों और ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी पर लगाम कसने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। प्रधानमंत्री ने बुधवार को 52वीं प्रगति (PRAGATI) बैठक की अध्यक्षता करते हुए साइबर फ्रॉड के मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए देशभर में e-Zero FIR प्रणाली को तेजी से लागू करने पर जोर दिया। बैठक में डिजिटल सुरक्षा को मजबूत बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया।

प्रधानमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सभी राज्यों के मुख्य सचिवों और पुलिस महानिदेशकों (DGP) के साथ समन्वय स्थापित कर e-Zero FIR व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू करें।

साइबर अपराधों की समीक्षा, पीएम करेंगे प्रगति की निगरानी

सभी राज्यों के मुख्य सचिवों की उपस्थिति में आयोजित बैठक में साइबर अपराध, ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी और तथाकथित 'डिजिटल गिरफ्तारी' से जुड़ी शिकायतों की समीक्षा की गई।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वह स्वयं e-Zero FIR प्रणाली की प्रगति की नियमित समीक्षा करेंगे। उ

न्होंने कहा कि इस व्यवस्था से जांच एजेंसियों को शिकायत मिलते ही तत्काल कार्रवाई शुरू करने में मदद मिलेगी, जिससे अपराधियों तक जल्दी पहुंचा जा सकेगा और डिजिटल साक्ष्यों के नष्ट होने से पहले जांच आगे बढ़ सकेगी।

डिजिटल प्लेटफॉर्म के दुरुपयोग पर जताई चिंता

प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) द्वारा जारी बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने नागरिकों को ठगने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्मों के बढ़ते दुरुपयोग पर गंभीर चिंता व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में सभी संबंधित एजेंसियों को संवेदनशीलता, समन्वय और समयबद्ध तरीके से कार्रवाई करनी चाहिए।

बैंकों और एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल के निर्देश

प्रधानमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट जवाबदेही तय करने, शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा कानून प्रवर्तन एजेंसियों, बैंकों और डिजिटल प्लेटफॉर्मों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि साइबर अपराध से निपटने के लिए तकनीकी दक्षता और संस्थागत सहयोग दोनों को मजबूत करना आवश्यक है।

क्या है e-Zero FIR व्यवस्था?

गृह मंत्रालय के तहत कार्यरत भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (IyC) द्वारा शुरू की गई e-Zero FIR पहल के तहत सत्यापित और उच्च मूल्य वाले साइबर वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों को स्वतः ही Zero FIR में परिवर्तित किया जाता है।इस व्यवस्था का उद्देश्य पीड़ितों को क्षेत्राधिकार संबंधी बाधाओं से राहत देना और धोखाधड़ी से जुड़े लेनदेन की जांच व धनराशि को रोकने की प्रक्रिया को तेज करना है।

RBI का बड़ा ऐलान! PI या Online Fraud का शिकार होने वालों को मिलेगा 25,000 तक का मुआवजा

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
25जून (ब्यूरो)

भारत में UPI, नेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और कार्ड पेमेंट के बढ़ते इस्तेमाल के साथ साइबर ठगी के मामलों में भी लगातार इजाफा हो रहा है। फर्जी लिंक, OTP स्कैम, नकली कॉल और UPI फ्रॉड के जरिए हर दिन बड़ी संख्या में लोग अपनी मेहनत की कमाई गंवा रहे हैं। ऐसे में ऑनलाइन धोखाधड़ी के पीड़ितों को राहत देने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की नई मुआवजा व्यवस्था चर्चा में है। इस व्यवस्था के तहत पात्र ग्राहकों को साइबर फ्रॉड से हुए नुकसान की भरपाई के लिए अधिकतम 25,000 रुपये तक की आर्थिक सहायता मिल सकती है। इसका उद्देश्य डिजिटल भुगतान प्रणाली पर लोगों का भरोसा मजबूत करना और छोटे स्तर की ऑनलाइन ठगी के शिकार ग्राहकों को राहत देना है।

किन मामलों में मिल सकती है राहत

प्रस्तावित नियमों के अनुसार यदि कोई ग्राहक PI, इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, डेबिट कार्ड या क्रेडिट कार्ड से जुड़े साइबर फ्रॉड का शिकार होता है और कुल नुकसान 50,000 रुपये तक है, तो निर्धारित शर्तों के अनुसार उसे अधिकतम 25,000 रुपये तक का मुआवजा मिल सकता है। हालांकि, यह सुविधा सभी मामलों में स्वतः लागू नहीं होगी। इसके लिए RBI द्वारा तय पात्रता और प्रक्रिया का पालन करना होगा।

कब से लागू होगी व्यवस्था?

जानकारी के अनुसार, यह व्यवस्था 1 जनवरी 2027 से लागू किए जाने की योजना है।

इससे पहले इसे जुलाई 2026 से लागू करने का प्रस्ताव था, लेकिन बाद में इसकी तारीख आगे बढ़ा दी गई। नियम लागू होने के बाद पात्र मामलों में ग्राहकों को इसका लाभ मिल सकेगा।

हिमाचल में डैशबोर्ड से होगी विकास कार्यों की रियल टाइम निगरानी

मुख्यमंत्री सुक्खू ने दिए निर्देश

» प्रथम न्यूज । शिमला
25जून (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश में सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों की निगरानी अब और अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी तरीके से की जाएगी। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के माध्यम से विभिन्न विभागों की योजनाओं और परियोजनाओं की रियल टाइम मॉनीटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

डिजिटल प्रौद्योगिकी एवं गवर्नेंस विभाग की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के विकास और उसकी कार्यप्रणाली की विस्तृत समीक्षा की। बैठक के दौरान बागवानी विभाग की उन प्रमुख योजनाओं का भी जायजा लिया गया, जिन्हें इस डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ने की प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच चुकी है।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी विभाग अपने-अपने फ्लैगशिप कार्यक्रमों और प्रमुख योजनाओं की पहचान कर उन्हें जल्द से जल्द मुख्यमंत्री डैशबोर्ड से जोड़ें,

ताकि उनकी प्रगति और जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन की निरंतर निगरानी की जा सके।

बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी देरी के समाज के अंतिम छोर पर खड़े प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक का उपयोग केवल प्रशासनिक प्रक्रियाओं तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसका सीधा लाभ आम लोगों को मिलना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रगति, कार्यान्वयन और परिणामों की समीक्षा के लिए मुख्यमंत्री डैशबोर्ड एक प्रभावी और भरोसेमंद माध्यम साबित होगा। बैठक में राजस्व एवं बागवानी मंत्री जगत सिंह नेगी, सचिव सी. पालरासु, सचिव आशीष सिंहमार तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

CBI का 'डिजिटल अरेस्ट' पर बड़ा एक्शन

पंजाब-दिल्ली से लेकर बंगाल तक 16 राज्यों में छापेमारी

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
25जून (ब्यूरो)

डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले एक बड़े साइबर अपराध गिरोह के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने देशभर में व्यापक कार्रवाई की है। एजेंसी ने ऑपरेशन 'चक्र-VI' के तहत 16 राज्यों में 80 से अधिक स्थानों पर एक साथ छापेमारी कर इस संगठित नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है।

जांच में सामने आया है कि यह गिरोह सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट से मिलते-जुलते वेब एड्रेस वाली फर्जी वेबसाइट तैयार कर लोगों को अपने जाल में फंसाता था। आरोपी खुद को कानूनी एजेंसियों का अधिकारी बताकर पीड़ितों को डिजिटल अरेस्ट की धमकी देते थे और फर्जी कोर्ट आदेशों व जांच एजेंसियों के नकली दस्तावेजों के जरिए उन्हें डराकर पैसे ऐंठते थे। इस पूरे मामले की शुरुआत सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री से मिली शिकायत के बाद हुई। शिकायत के आधार पर CBI ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की, जिसमें सामने आया कि इस फर्जी वेबसाइट का इस्तेमाल 200 से अधिक साइबर ठगी के मामलों में किया गया।

नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करने के लिए CBI ने 60 विशेष टीमों का गठन किया, जिन्होंने पंजाब, दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, असम, पश्चिम बंगाल, मणिपुर, कर्नाटक और ओडिशा सहित 16 राज्यों में एक साथ कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान चेन्नई निवासी बी. नरेश और कोलकाता निवासी संजीब साहा को गिरफ्तार किया गया। जांच एजेंसी के अनुसार, दोनों शेल कंपनियां बनाकर और म्यूल बैंक खातों का संचालन कर ठगी से हासिल करीब दो करोड़ रुपये की रकम को इधर-उधर करने में शामिल थे।

CBI ने तकनीकी विश्लेषण और डिजिटल फोरेंसिक जांच के जरिए इस साइबर नेटवर्क के देश और विदेश तक फैले लिंक का भी पता लगाया है। शुरुआती जांच में यह संकेत मिले हैं कि गिरोह ने केवल भारतीय नागरिकों ही नहीं, बल्कि कई अन्य देशों के लोगों को भी अपना शिकार बनाया।

तलाशी के दौरान बड़ी संख्या में मोबाइल फोन, लैपटॉप, डिजिटल डिवाइस, बैंकिंग रिकॉर्ड और अन्य अहम दस्तावेज बरामद किए गए हैं। सभी इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। विदेशी पीड़ितों की संभावना को देखते हुए CBI अंतरराष्ट्रीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ भी आवश्यक जानकारी साझा कर रही है।

अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच अभी जारी है और आने वाले दिनों में इस साइबर नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी भी हो सकती है।

तारातला हादसा : मलबे से तीन और शव बरामद मृतकों की संख्या 8 हुई; अभी बढ़ सकता है आंकड़ा

» प्रथम न्यूज । कोलकाता
25जून (ब्यूरो)

पश्चिम बंगाल के तारातला इलाके में हुए भीषण हादसे के 20 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी राहत और बचाव कार्य लगातार जारी है। गुरुवार सुबह मलबे के नीचे से तीन और शव बरामद किए गए, जिसके बाद इस दुर्घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 7 हो गई है। इससे पहले बुधवार रात तक मृतकों की संख्या 5 थी। इस मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गोदाम के मालिक शंभूनाथ बहरा को गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही अब तक इस हादसे से जुड़े मामले में कुल तीन लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

घटनास्थल पर राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीमें लगातार राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। एनडीआरएफ की दूसरी बटालियन के कमांडेंट मनीष रंजन ने आईएएनएस से बताया कि अब तक 16 लोगों को सुरक्षित जीवित बाहर निकाला जा चुका है। वहीं, ढही हुई संरचना से पांच अचेत

अवस्था में लोगों को भी बाहर निकाला गया है। उन्होंने बताया कि अभी भी तीन से चार लोग मलबे में फंसे हुए हैं। बचाव दल ने उनमें से एक व्यक्ति तक पहुंचने का रास्ता बना लिया है और उम्मीद है कि अगले आधे घंटे के भीतर उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया जाएगा। हालांकि फंसे हुए लोगों की स्थिति बेहद चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि उनके आसपास नालियां, अस्थिर मलबा और भारी संरचनात्मक अवरोध मौजूद हैं। ऐसे में टीम बेहद सावधानी के साथ अभियान चला रही है ताकि किसी प्रकार का अतिरिक्त नुकसान न हो। मनीष रंजन ने कहा कि बचाव अभियान काफी कठिन है, क्योंकि ढही हुई संरचना में कंक्रीट की कई परतें, लोहे की सरिए, गर्डर और टिन की चादरें शामिल हैं। इससे मलबे के अंदर पहुंचना बेहद मुश्किल हो रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि एनडीआरएफ की टीमें विशेष सर्च उपकरणों और लाइफ डिटेक्शन डिवाइस की मदद से पूरे क्षेत्र की लगातार स्कैनिंग कर रही हैं।

कमांडेंट ने बताया कि इस अभियान में वॉटर-प्रेशर रेस्क्यू तकनीक का इस्तेमाल संभव नहीं है। फिलहाल स्थिरीकरण, कटिंग ऑपरेशन और आधुनिक लाइफ डिटेक्शन उपकरणों की मदद से बचाव कार्य जारी है। जहां संभव हो रहा है, वहां फंसे हुए लोगों को ऑक्सीजन और अन्य जरूरी सहायता भी उपलब्ध कराई जा रही है।

लखनऊ अग्निकांड : 7 जुलाई को अवैध कॉम्प्लेक्स पर चलेगा बुलडोजर, एलडीए ने तेज की कार्रवाई

» प्रथम न्यूज । लखनऊ
25जून (ब्यूरो)

अलीगंज में सोमवार को हुए भीषण अग्निकांड में 15 लोगों की मौत के बाद लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने संबंधित अवैध कॉम्प्लेक्स को ध्वस्त करने की तैयारी शुरू कर दी है। बुधवार सुबह एलडीए की पांच सदस्यीय जांच समिति मौके पर पहुंची और भवन का निरीक्षण किया।

साथ ही अग्निकांड से संबंधित तस्वीरों के साथ एक नया नोटिस भी भवन पर चस्पा किया गया। नोटिस के अनुसार, 7 जुलाई को भवन का ध्वस्तीकरण किया जाएगा। जांच के दौरान अलीगंज के सेक्टर-डी स्थित वीरेंद्र प्रसाद शुक्ल और सुरेंद्र प्रसाद शुक्ल की एक अन्य संपत्ति भी चिन्हित की गई है।

इस आवासीय भवन के बेसमेंट से लेकर तीसरी मंजिल तक व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही हैं। बताया जा रहा है कि छह माह पहले इस भवन में भी आग लग चुकी है। एलडीए की टीम इसके दस्तावेजों की जांच कर रही है।

अपर सचिव ज्ञानेंद्र वर्मा की अध्यक्षतावाली पांच सदस्यीय समिति ने मंगलवार को सेक्टर-डी स्थित भवन संख्या एमएस/102 के अभिलेखों की जांच की थी। इसके बाद नया नोटिस जारी किया गया।

नोटिस में कहा गया है कि 185 वर्गमीटर के आवासीय भूखंड पर स्वीकृत मानचित्र की शर्तों का उल्लंघन करते हुए सेटबैक क्षेत्र को कवर कर बेसमेंट, भूतल, प्रथम, द्वितीय और तृतीय तल का निर्माण किया गया तथा पिछले 10 वर्षों से इसका व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा है।

एलडीए के अनुसार, निर्माण से संबंधित मानचित्र और अन्य अभिलेख उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। विहित प्राधिकारी अजीत कुमार की ओर से जारी नोटिस में बिना अनुमति किए गए

निर्माण पर 50 हजार रुपये का अर्थदंड लगाने का भी उल्लेख किया गया है।

एलडीए अधिकारियों ने बताया कि 23 जून को जारी नोटिस की अवधि 7 जुलाई की सुबह समाप्त होगी। इसके बाद उसी दिन भवन को ध्वस्त करने की कार्रवाई की जाएगी।

एसआईटी के सवालों में घिरीएलडीए टीम

घटनास्थल की जांच के बाद एलडीए की आंतरिक टीम शासन द्वारा गठित एसआईटी के समक्ष पेश हुई। एसआईटी ने वर्ष 2016 में जारी ध्वस्तीकरण नोटिस को बाद में निरस्त किए जाने के कारणों पर सवाल उठाए। जवाब में टीम ने बताया कि उस समय भवन के व्यावसायिक उपयोग का स्पष्ट खाका उपलब्ध नहीं था। इस

ी आधार पर संबंधित पक्ष से शपथपत्र लेकर विहित प्राधिकारी ने ध्वस्तीकरण आदेश वापस ले लिया था। एसआईटी ने यह भी पूछा कि जब भवन के लिए केवल बेसमेंट और दो मंजिल तक का आवासीय मानचित्र स्वीकृत था, तब दो अतिरिक्त मंजिलों का निर्माण कैसे हो गया। इस सवाल पर एलडीए अधिकारियों के पास संतोषजनक जवाब नहीं था। टीम ने बताया कि उस समय अधिशासी अभियंता के पास ही जोनल अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार भी था। प्रारंभिक जांच में पांच इंजीनियरों की जिम्मेदारी तय की गई है। एलडीए ने सहायक अभियंताओं और अवर अभियंताओं के खिलाफ जांच एवं कार्रवाई की संस्तुति की है।

एक और अवैध कॉम्प्लेक्स की जांच

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि वीरेंद्र प्रसाद शुक्ल और सुरेंद्र प्रसाद शुक्ल के नाम पर सेक्टर-डी स्थित एल-3/79 पते पर एक अन्य अवैध व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स भी संचालित है। इस भवन में छह माह पहले आग लग चुकी है। वर्तमान में इसके बेसमेंट में ब्यूटी पार्लर संचालित हो रहा है तथा जनरेटर सड़क पर रखा गया है।

एलडीए इस भवन से जुड़े अभिलेखों की जांच कर रहा है। अधिकारियों के अनुसार शुक्रवार तक इस परिसर पर भी नोटिस चस्पा कर आगे की कार्रवाई शुरू की जाएगी।